उसकी आवाज़ सुनो

भाई नेविल, आपका धन्यवाद। मैं विश्वास करता हूँ कि वह दाऊद था जिसने कहा था, "जब उन्होंने मुझसे कहा कि आओ हम प्रभु के घर को चलें, तब मैं आनंदित हुआ।" संडे स्कूल के विषय में कुछ बात है जो कि सभा के अन्य भागों में, सारे दिन में किसी दूसरे समय में नहीं है। हम बस अभी रात्रि के अच्छे विश्राम करने के बाद जाग कर आए हैं, और—और हमें बस अलग सी अनुभुति हो रही है, और आप दिन के लिए तरोताजा और तैयार हैं।

2 अब हम उस बात को समझ रहे हैं... पिछली रात्रि, हमने सब—सब लोगों से पूछा था कि यदि उनके पास उनकी कलीसियायें हैं... जहाँ पर वे जाते है, जहाँ पर वे आना-जाना करते है या—या... मेरा मतलब है, कलीसियाओ के नियमित सदस्य है, कि उन्हें आज सुबह अपनी कलीसिया में जाना चाहिए। क्योंकि, हम अंतरसंप्रदाय हैं, हम बस लोगों को उनकी सभाओ में से नहीं लेना चाहते है।

3 और मुझे बहुत सी बार दूसरी कलीसियाओ से—से दोष लगाया जाता रहा है। यह गलत बात है। मैं दूसरे कलीसियाओ पर दोष नहीं लगाता हूँ। मैं बहुत सी बार उन चीजों पर दोष लगाता हूँ, जो कि—कि वे अनदेखा करते है, लेकिन निश्चित रूप से मैं कलीसिया पर दोष नहीं लगाता हूँ। लेकिन, बहुत सी बार, जब वे उन चीजों को सिखाते हैं जो कि वचन के विपरीत होती हैं, तब मैं—मैं उस चीज पर दोष लगाता हूँ। और तब फिर जब वे उन चीजों को करते हैं जो कि पापमय होती है, और—और कलीसिया में करने की अनुमति देते हैं, मैं उस चीज को दोषी ठहराता हूँ। लेकिन कभी भी नहीं... जैसे कि ये कहा गया है... मेरे बहुत से कैथोलिक मित्र है जो यहाँ पर बैठे हुए है, और मैं कैथोलिक लोगों पर कभी भी दोष नहीं लगाता हूँ। मैं कैथोलिक कलीसिया के मत-सिद्धांत को दोषी ठहराता हूँ, क्योंकि मैं यह विश्वास नहीं करता हूँ कि वह वचन के अनुसार है। और ऐसा नहीं है कि मैं उन्हें दोषी ठहराता हूँ, लेकिन मैं प्रोटेस्टेन्ट संस्थाओं को भी दोषी ठहराता हूँ, क्योंकि मैं विश्वास नहीं करता हूँ कि वह वचन के अनुसार है। और मैं सत्य के ऊपर खड़े रहने के लिए कर्तव्य बद्ध हूँ। समझे? आप

जानते है, परमेश्वर आपकी सराहना करेगा यदि आप ईमानदार और बस सच्चे बने रहेंगे।

4 आप जानते है, बहुत सी बार, एक मनुष्य एक पत्नी की खोज करता है, एक सच्चा मनुष्य जिसके पीछे एक पुरुषत्व होता है, वह कुल मिलाकर ऐसी लड़की को नहीं ढूंढ़ता है जो कि सूरत या इत्यादि से बहुत—बहुत ही सुन्दर दिखती हो। वह जानता है कि इन दिनों में से एक दिन यह चला जायेगा। समझे? वो ऐसी स्त्री के लिए देखता है जिसका व्यक्तिव एक स्त्री के समान होता है, जो कि एक वास्तविक स्त्री होती है। और क्या वह वफादार है, और वह एक वास्तविक स्त्री है, कि वो पुरुष उस की प्रशंसा करें। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ कि वो एक—एक पुरुष कितना अधिक बुरा है, और वो पुरुष अधिक बुरी स्त्रियों के साथ—के साथ यहाँ–वहां घूमता फिरता है; संसार में कोई भी एक ऐसा बुरा पुरुष नहीं है जो एक ऐसी स्त्री की सराहना न करे जो कि उस बात पर खड़ी हो जिस प्रकार से एक वास्तव में एक स्त्री को होना चाहिए। यह ठीक बात है। क्योंकि, वह उस बात की सराहना करता है।

5 और वचन को प्रचार करने के द्वारा—के द्वारा इसी प्रकार से होता है, यदि एक मनुष्य बस उस बात के ऊपर खड़ा होगा जिस पर वो विश्वास करता हो। अब नहीं... आप को याद है, परमेश्वर आपके हृदय को जानता है। और यदि आप उस चीज के ऊपर खड़े होंते है जो कि आप सत्य होने का विश्वास करते हैं, तब फिर आप उस बात के ऊपर विश्वास कर सकते हैं जिसके विषय में आप बात करते हैं।

6 मेरे पास यहाँ पर दो अच्छे मित्र हैं। भाई चार्ली काक्स को, मैं वहाँ पर बैठे हुए देखता हूँ। और पिछले कुछ सप्ताह से मैं उनके साथ कैन्टेकी में गिलहरीयों का शिकार करने के लिए गया था, जहाँ पर मैंने कुछ विश्राम लिया था। भाई बैंक वुड्। और, अब हम अपनी बंदुको के साथ प्रशिक्षण कर रहे है, वे... मैं बस अपनी बंदूक से पूरी तरह से अचूक होना है कि वह पचास गज पर रखी हुई कील को अन्दर डाल दे, या तो मैं—मैं बस शिकार नहीं कर सकता हूँ। समझे? बस यही बात है।

7 अच्छा, कील को अन्दर घुसा देने से क्या अच्छा होगा? समझे? क्योंकि, यदि आप एक गिलहरी को निशाना लगा रहे हैं, और उसके सिर पर मारना है, और उसका सिर शायद *उतना* बड़ा होगा, एक इंच के लगभग

शायद एक ठीक बात होगी, समझे, कुछ उतना ही बड़ा। या तो उन लड़कों में से कोई एक कहेगा, "यह ठीक बात है। मैंने एक गिलहरी को मारा है।" वे जाते हैं और गिलहरी को ले लेते हैं। लेकिन, मेरे लिए, यह बस अचूक होना चाहिए। अचूक निशाना लगाना होगा। उसे एक इंच के एक चौथाई हिस्से से भी नहीं चूक सके। अचूक निशाना लगाना होता है, या तो मैं पूरी तरह अधीर और परेशान हो जाता हूँ।

8 और एक दिन मैं जंगल में बैठा हुआ था, और मैं कह रहा था, "प्रभु, मैं क्यों—क्यों इतना चिडचिडा हूँ? आप ने मुझे इतना अधिक चिडचिडा क्यों बनाया है? " मैंने कहा, "अब वहाँ... "

9 भाई बैंक्स अपनी बंदूक के साथ शिकार करने गए, और उन्होंने दूरबीन युक्त दृष्टि से उससे निशाना साधने के लिए उसे ऊपर उठाया। और आप बस... हर बार कभी तो, आप... एक चल जाती, क्योंकि यदि ये... किसी भी स्थिति में फैक्टरी से भरे हुए बारूद के साथ वैसा हो जाएगा, क्योंकि आप के पास थोड़ा सा ज्यादा बारूद होता है, और थोड़ा सा कम बारूद होता है। लेकिन ये बस एक इंच या दो इंच हट कर निशाना लगेगा, भाई बैंक कहते है, "ओह, यह ठीक बात है, मैंने गिलहरी का शिकार किया है। यह ठीक बात है।" इस—इस बात से उनको कोई चिन्ता नहीं होती है। चार्ली, उसी प्रकार से करता है। लेकिन मैं...

10 मुझे कील पर बिल्कुल ठीक मध्य में निशाना लगाना होता है, नहीं तो यह बात मुझे परेशान कर देती है। मैंने कहा, "मैं नियमित रूप से चिडचिडा बन गया हूँ।" और फिर मैं पीछे देखना आरंभ करता हूँ, और मैं यह पाता हूँ कि मेरा जीवन उसी प्रकार से है। मैं उसी प्रकार से बना हुआ हूं। और मैंने सोचा, "अच्छा, आप ने मुझे उस प्रकार से क्यों बनाया है? " यह बात मुझे अधीर कर देती है, यदि—यदि या थोड़ा सा *इस* ओर या कुछ *उस* ओर चली जाती है। और उसी प्रकार से तब प्रभु ने मुझ पर इस बात को प्रगट किया, जब मैं वहाँ ग्लटन हौलों पर बैठा हुआ था, जहाँ पर हमेशा हम शिकार करते थे। उसे, मैं सोचता हूँ कि डटन कहा जाता है; लेकिन गिलहरियाँ इतनी तेजी से खाती हैं कि मैं उस स्थान को "खाऊ" कहकर बुलाता हूँ। सो वे...

11 उस स्थान पर वहाँ ऊपर, मैंने सोचा, "यही वह बात है।" मैं तब तक अधोलोक के विषय में प्रचार नहीं कर सकता हूँ जब तक कि मैं उस के

विषय में सुनिश्चित न हो लूं। समझे? और इसलिए यदि वचन दिव्य चंगाई के विषय में भविष्यवाणी करता है; और *यहाँ* पर, यह बात *इस* प्रकार से और *उस* प्रकार से दिखाई देती है; यदि वचन कहता है, "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," जैसे कि वहां तीन परमेश्वर हैं; और *वहाँ* पर मैं केवल एक को ही देखता हूँ; और अब मैं बस अव्यविस्थित ढंग से, किसी और व्यक्ति के विषय में, कि वे उस विषय में जो कहते है, उस बात को उस तरह से भला कैसे ग्रहण कर सकता हूँ? यदि बाईबल पहले से ठहराए जाने और अनुग्रह के विषय में बोलती है, और *यहाँ* पर इसके पास कार्य है, और *यहाँ* इसके पास अनुग्रह है। और मैं—मैं बस उस प्रकार से प्रचार नहीं कर सकता हूँ।

12 मुझे उसका हल करना होगा, और इसमें में से होते हुए, इसमें में से होते हुए, और बाईबल में से होते हुए, जब तक पूरी तरह से कील को नहीं लगा देता है, देखो, जब तक यह बात वचन में से होते हुए बाहर निकल कर नहीं आता है। फिर जब मैं खड़ा होता हूँ, मैं वास्तव में उस बात पर विश्वास कर सकता हूँ, जिसे मैं कर रहा होता हूँ, देखो, आप यह जानते हैं कि जो आप प्रचार कर रहे है वह सत्य है। समझे? और उसके बाद यदि कोई उस बात का विरोध करता है, आप उस बात का इतना अधिक अध्ययन कर चुके होते है कि आप बिल्कुल ठीक–ठीक जानते हैं कि वो क्या कह रहा है, उस व्यक्ति को कहाँ पर रोकना है, समझे, ठीक *यहाँ* पर। समझे? और ये इसी प्रकार से है। परमेश्वर हम को भिन्न–भिन्न प्रकार से बनाता है, कि हम बस साधारण रूप से... यह बात सारे संसार को उसी प्रकार से बनाती है। अच्छा, यही है जो कि मुझे इतना अधिक अधीर करती है, एक परेशान व्यक्ति की तरह से। उसे बस बिलकुल सही होना है।

13 और आज, आज रात्रि, आज—आज सुबह मैं इस बात को कहने के लिए बहुत खुश हूँ, कि मैं जानता हूँ कि प्रभु यीशु मरा नहीं है। वह जीवित है, और वह यहाँ पर बस ठीक उसी तरह से उपस्थित है जैसे कि वह कभी किसी भी समय संसार में गलील में या कहीं और उपस्थित था। वह जीवित है, जी उठा, सर्वव्यापी जीवते परमेश्वर का पुत्र है। यही है... और यदि मैं नहीं कर सकता हूँ...

14 यदि मैं किसी ऐतिहासिक परमेश्वर के वचन का प्रचार करूँ, और मैं इस बात से सुनिश्चित नहीं हूँ कि वह ठीक यहाँ पर था, मैं—मैं पूरी तरह

से उलझन में पड जाऊँगा। यह बात मुझे इतना अधिक परेशान कर देगी, कि मैं यह नहीं जान पाऊँगा कि मैं क्या कर रहा था। समझे? और मैं यह नहीं जान पाऊँगा कि लोगों को कहां पर बताना है, "अच्छा, अब, वो *ऐसा* करेगा, या *वैसा* करेगा।" मैं—मैं आपको नहीं बता सकता हूँ। मैं नहीं जानता हूँ। लेकिन जब आप यह जानते है कि उसने क्या करने की प्रतिज्ञा की है, और उसे करते हुए देखा है, उसके बाद आप जानते हैं कि आप कहाँ पर खडे हुए हैं। समझे? और देखिए कि परमेश्वर कैसे अपनी महान योजनाओं में, बस यह जानता था कि किस प्रकार से हर एक व्यक्ति को बस ठीक–ठीक किसी निश्चित तरह से बनाना है, क्योंकि वह उनका उस उद्देश्य के लिए उपयोग करने जा रहा है।

15 कुछ समय पहले, यहाँ पर आप ने उस छोटी महिला को सुना था? श्रीमती स्टीकर, जो बिना किसी संगीत के गीत को गा रही थी। उसके पास किसी प्रकार की एक छोटी सी चीज थी जिसे वो बजा रहीं थी, ताकि उसको गीत के लिए लय मिल सके, उसका—उसका स्वर या जो भी आप उसे कहते हैं। और वह खड़ी होकर और गीत को उस चीज के साथ बहुत धीमी आवाज में गा सकती थीं, और उसे ऊँचा उठा सकती थीं, उस गीत को, *ओह, वह जहाज!* अब, आपको मुझे उसे गाने की कोशिश करते हुए सुनना चाहिए। वह बहुत बेकार लगेगा। लेकिन, आप देखें, परमेश्वर बस यह जानता था कि कैसे उस महिला को बनाना है जिससे कि वह उस बात को कर सके।

16 और यह इसी तरह से है। हमारी भिन्न–भिन्न बनावटे हैं। यदि हम बस मसीह में अपने स्थान को पा लें, और वहाँ पर बने रहे और उसकी सेवा करें।

17 आज सुबह, व्हील चेअर पर, यहाँ एक छोटी सी लड़की को बैठे हुए देख रहा हूँ। आपके छोटे से हृदय को आशीष मिले। प्रिय, आपको किस बात ने अपंग बनाया है? मांस–पेशी दू... दू... ओह, मैं उस शब्द को नहीं बोल सकता हूँ, जब मैं उसे कहना आरंभ करता हूँ; डिसट्रोफी, या जो कुछ भी है। प्रिय, क्या यही वो चीज है, जिसने कि आप को अपंग किया है, या क्या यह पोलियो है? पोलियो। आप जानती हैं, यीशु छोटी लड़कियों को चंगा करता है। क्या वह नहीं करता है? आप एक बहुत अधिक सुन्दर

छोटी सी लड़की हैं। और मैं विश्वास करता हूँ कि यीशु आप को चंगा कर देगा।

18 पिछली रात, उन दो छोटी लड़कियों को जो कि वहाँ पर उस बिमारी के साथ बैठी हुई थीं यहाँ तक जिसके विषय में संसार का कोई भी व्यक्ति नहीं जानता था कि ये क्या है। उनकी छोटी ऊँगलियाँ नीचे की ओर गिर पड़ती थीं, और उनके पैर भी गिर पड़ते थे। दो छोटी प्यारी लड़कियां। और मैं संयोग से उनकी माता और उनकी नानी को जानता था। और मैंने बस शैतान को दोषी ठहराने की अगुवाई महसूस की जो कि उन छोटी लडकियों को तकलीफ दे रहा था जो कि वहाँ पर बैठी हुई थी; ठीक वहां। और मैं इस बात को नहीं जानता था कि वे व्हील चेअर पर कितने समय से थीं। और पिछली रात, टेलीफोन पर तेजी से खबर आई फैलने लगी, "छोटी लड़कियाँ खड़ी हो गई हैं, यहाँ–वहां चल–फिर रही हैं।" आपने इसे देखा, कि—कि प्रभु परमेश्वर उनके प्रति कितना अनुग्रहकारी था। ओह, वह हमारे प्रति कितना भला है! हमें और अधिक सराहना करनी चाहिए।

19 घर जाने के बाद और कुछ मिनटों तक लेटे रहने के बाद, बस पिछली रात्रि, मैं सोच रहा था, मैं उस बात के विषय में सोच रहा था, "जब प्राण एक मनुष्य के अन्दर से चला जाता है, क्या होता है? " यह उसका भीतरी अस्तित्व है जो कि बाहर निकल जाता है। वह मरा नहीं है। वह—वह अब भी जीवित है। समझे? वह—वह हमेशा के लिए जीवित् है। और हमारे प्रियजन जो कि इस पर्दे के उस पार चले गए हैं, वे एक—एक प्रकार के शरीर में हैं जिसके विषय में हम नहीं जानते हैं कि यह क्या है। ये प्रगट नहीं हुआ है।

20 हर एक चीज की तीन चरण होते हैं। वहां एक मरणहार देह का चरण है, एक अविनाशी देह, और उसके बाद महिमावंत देह। समझे? जैसे कि दूसरी चीजे होती हैं, जैसे कि... पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा, एक ही माध्यम में से जाते हैं, और तीन मिलकर एक को बनाते हैं। धर्मीकरण, पवित्रीकरण, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, एक माध्यम में, एक ही को बनाते हैं। उसके बाद, प्राण, शरीर, और आत्मा एक को बनाते हैं। और यह बात तीन में आगे बढती है, और तीन चीजें एक हैं। और एक—एक नोक वाले त्रिकोण के टुकड़े को लें और उसे सूरज के सामने रख दें, वह रंगो को प्रतिबिम्बित करेगा, फिर भी, सात रंग एक होकर बाहर आएंगे।

21 और आप लाल रंग को लें, और लाल रंग को लाल रंग में से होते हुए देखें। आप में से कितने इस बात को जानते हैं कि कौन सा रंग दिखाई देगा? [सभा कहती है, "सफेद।"—सम्पा।] सफेद। ऊह–हम्म। क्या यह अजीब सी बात नही है? कि, लाल रंग में लाल को देखने पर सफेद दिखाई देता है। लाल छुटकारे का चिन्ह है। और जब आप... परमेश्वर आप के लाल पापो को अपने बहुमूल्य पुत्र के लाल लहु में से होते हुए देखता हैं, वे सफेद दिखते है। सो, लेकिन, उसे लहु में से होकर देखना है। यदि ये नहीं होता है, वे पापी होते हैं। सो हमे लहू के नीचे होना होगा।

22 और जब प्राण देह को छोड़ता है, वह अपनी यात्रा विश्राम के स्थान की ओर आरंभ कर देता है, एक ऐसी देह में जिसका रूप और आकार इस देह की तरह होता हैं, लेकिन यह इस प्रकार की देह नहीं होती है। आप अपने प्रियजनों से मिलेंगे। आप उनसे हाथ नहीं मिला सकते हैं। आप उनसे बात कर सकते हैं, आप उनकी ओर देख सकते है। वे बस उसी प्रकार से दिखते हैं, जैसे वे यहाँ पर दिखते है। क्योंकि, जब पतरस, और यूहन्ना, और याकूब ने मूसा और एल्ियाह को देखा, उन्होंने उनको रूपान्तरण वाले पर्वत पर पहचान लिया। लेकिन, ये एक देह होती है।

23 लेकिन फिर जब वो देह, जो कि एक प्रकार की स्वर्गीय देह होती है, जब वह धरती पर वापस आती है, वह उस—उस तत्व को उठा लेती है जिसमें कि वह एक समय रहा करती थी, और तब ये महिमावंत देह बन जाती है। और यही वो एक देह है जिसमें होकर हम प्रभु यीशु को, और उसकी पुनरुत्थान हो उठी देह में देखेंगे। "अब तक यह प्रगट नहीं हुआ है कि हम क्या कुछ होंगे," पौलूस ने कहा, "लेकिन हम जानते हैं, कि हमारे पास उसकी खुद की महिमावंत देह के जैसे एक देह होगी, क्योंकि उस को वैसे ही देंखेंगे जैसा वह है।"

24 और यह सब बूढ़े झुर्रियों से भरे हुए हाथ और टूटी हुयी मांसपेशीयो के ऊतक सब जवानी के वैभव में लुप्त हो जाएंगे। आप बूढ़े पुरूष और स्त्रीयां, आप याद रखना... यह है... कि, आप की बूढी आयु आप के गिरावट का चिन्ह है। लेकिन पुनरुत्थान में, उनका पाप का एक भी चिन्ह नहीं होगा। लेकिन परमेश्वर ने आपको इस प्रकार से क्यों बनाया है? वो आपको एक निश्चित आयु तक लेकर आया, जब आप लगभग बाईस वर्ष के थे, तेईस वर्ष के थे, तो आप अपनी सबसे अच्छी अवस्था में थे। आप भोजन को

खा रहे थे और और बलवान हो रहे थे, और स्वस्थ हो रहे थे, और आप क्या ही दिखने में अधिक शक्तिशाली थे। तब, उस के बाद, आप के झुर्रियाँ पड़ने लगीं, समझे, मृत्यु अन्दर आने लगी। लेकिन, पुनरुत्थान में, बूढी उम्र पूर्ण रूप से समाप्त हो जाएगी।

25 मैं यहाँ पर एक छोटे से बूढ़े प्रचारक और उसकी पत्नी की ओर देख रहा हूँ। मेरा अनुमान है, कि वे अस्सी वर्ष की अवस्था में है। भाई और बहन किड, मेरे जन्म लेने के पहले शायद सुसमाचार का प्रचार कर रहे हैं; और मैं एक बूढ़ा मनुष्य हूँ। और मैं उन्हें, छोटे से शान्तप्रिय से दिखने वाले बूढ़े पति–पत्नी को यहाँ पर बैठा हुआ देखता हूँ। और मैं बस यह सोचता हूँ, कि पुनरुत्थान में, वे किस प्रकार से दिखेंगे। वे बूढी झुर्रियाँ, और बिना शक्ति के और कंपकपाते हिलते हुए हाथ, और सफेद बाल जवानी के वैभव में लुप्त हो जाएंगे। प्रभु की सेवा करने का प्रतिफल वास्तव में मिलता है। ये वास्तव में प्राप्त होता है। हम उसे किसी दिन देखेंगे।

26 सोचता हूं कि क्या रोसेला ग्रिफिन यहाँ पर उपस्थित हैं। मैं चाहूँगा कि वो कुछ शब्द कहें। एक छोटी सी शराब पीने वाली जो कि बस चंगी की गई... यहाँ पर, कुछ वर्ष पहले। और इस बात से शायद यहाँ पर कुछ शराब पीने वालो को सहायता मिलेगी। [सभा में एक बहन कहती है, "भाई ब्रंहम, वह आज सुबह घर चली गई।"—सम्पा।] उन्हें इस सुबह घर जाना पड़ा। तो ठीक है। अद्भुत अवस्था थी! पिछली रात्रि मैंने सोचा कि मैं उससे कुछ बोलने के लिए कहूँ। मैं ऐसा करता, यदि मैं इस बात को जानता, कि वह आज सुबह जा रही हैं। ऐसी बहुत सी बातें हैं जो कि मैं चाहता हूँ कि आराधनालय के लोग सुने।

27 अब, क्या आज सुबह कोई ऐसा है जिसका कि पानी में बपतिस्मा होना है? आईए हम देखें। एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह, लगभग छह या सात लोग यहाँ पर बपतिस्मे को लेने के लिए हैं। और बपतिस्मे की सभा इस सन्डे स्कूल के पाठ के बाद होगी।

28 अब, सन्डे स्कूल का कक्ष, हमारी बहन आर्नल्ड और उनके छोटे बच्चों के लिए रोक दिया गया है। और बहन आर्नल्ड, यदि आप अनुमति देंगी, हमें बस इसे आने वाले के दिन के लिए स्थागित करना होगा, क्योंकि हमारे पास संडे स्कूल के लिए कमरा नहीं है। और कुछ मिनटों में मैं छोटे बच्चों के लिए कुछ वचन को पढ़ने जा रहा हूँ, और यह बात उनको भी

सोचने के लिए कुछ प्रदान करेगी। और उसके बाद अगले रविवार आप नियमित सभाओं को और सन्डे स्कूल को जारी रखें। अब, हम यह कहना चाहते है...

29 यहाँ पर इस सुबह मैं एक और बात को कहना चाहता हूँ। मैंने—मैंने—मैंने उन्हें बताया था कि वे इसे न करें, लेकिन उन्होंने फिर भी उसे किया। समझे? पिछली रात्रि वह कुछ प्रेम दान था जो कि मुझे दिया गया, कुछ प्रेम दान। मैंने उन्हें यह बताया था कि ऐसा न करें, समझे। और वे... लेकिन उन्होंने फिर भी ऐसा किया। और जब... मैं इस बात को नहीं जानता था जब तक कि बिली ने मुझे नहीं बताया कि भाई डॉक् उसे उसके पास उसके घर में लेकर आए थे। और मैंने उसे अभी तक गिना नहीं है, लेकिन मैं विश्वास करता हूँ कि यह बताया गया था कि लगभग वहाँ पर तीन सौ थे, या तीन सौ से कुछ ज्यादा। क्या यह... डॉक, क्या आपको याद है कि वे कितने थे? [भाई एडगर ब्रंहम कहते है, "... चौबीस, बारह।"—सम्पा।] भाई, वे कितने थे? ["तीन, चौबीस, बारह।"] तीन सौ चौबीस, बारह। मैं आपको बहुत ही धन्यवाद करता हूँ।

30 अब, बहुत समय से मैं कार्य से दूर रहा हूँ। आप उस बात को जानते हैं। और यहाँ पर इस सुबह मेरे सचिव, या उनमें से कुछ लोग उपस्थित हैं, जो कि मेरे खर्चों के विषय में जानते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि मैं कहीं पर भी रहूँ, ठीक यहाँ घर में, सौ डॉलर प्रतिदिन खर्च होते हैं, मेरे कार्यालय और वे लोग रूमालों और उन चीजों को संसार में चारों ओर भेजते हैं, और यह उसी के खर्चे हैं।

31 और मैं—मैं यह कहना चाहता हूँ, हालाँकि यह आप लोगों के लिए प्रोत्साहन है जो कि यहाँ पर हैं। लोगों की संख्या को देखते हुए, यह दान मेरे जीवन में अब तक उन सब दानों से सबसे बड़ा दान है जो कि मुझे मिला है। क्या आप इस बात को महसूस करते हैं कि औसतन यह एक व्यक्ति के ऊपर एक डॉलर आता है? और बहुत से दान जो कि इस कार्य के लिए औसतन जाते है, लगभग औसतन एक व्यक्ति के ऊपर बाईस या पच्चीस सेंन्ट आते हैं। लेकिन इस वाले दान में औसत एक व्यक्ति के ऊपर एक डॉलर आया। क्योंकि, मैं यह जानता हूँ कि आप यहां पर अन्दर नहीं आ सकते हैं... वे बाहर जाकर दान नहीं लेते है। और आप यहाँ छोटे से स्थान पर भीड़ नहीं लगा सकते है, मेरा—मेरा अनुमान है लगभग तीन

सौ लोग होते है। भाई नेविल, क्या आप बता सकते हैं कि आराधनालय में कितनी कुर्सियां है? [भाई नेविल कहते है, "जिस तरह से ये अब है, लगभग तीन सौ के आसपास होना चाहिए।"—सम्पा।] लगभग तीन सौ लोग। तो, समझे, यह लगभग एक के ऊपर एक डॉलर आता है। परमेश्वर इस बात को जानता है कि मैं इस बात की कितनी सराहना करता हूँ। मैं आपको बहुत धन्यवाद देता हूँ। और यह ठीक प्रभु के कार्य में चला जाता है। मैं—मैं आपको इसके लिए बहुत धन्यवाद देता हूँ। और उस बात के लिए... यदि उनमें से कुछ इस रात्रि से पहले जा रहे है, क्योंकि... और मैं...

32 जब मैं पिछली रात्रि घर गया, पलंग पर *इस* प्रकार का एक छोटा सा बक्सा रखा हुआ था, और ये कुछ—कुछ जेली का ढेर था, मैं सोचता हूं कि ये किसी व्यक्ति के द्वारा लाया गया था। आप जानते है, मुझे बस जैली पसंद है। और मैं—मैं उसकी सराहना करता हूँ। और यहाँ पर एक—एक बहन है, अच्छा होगा यदि मैं उसके नाम को न लूँ। वो हमारे परिवार की एक अच्छी मित्र है, और उसने मेरे और बिली के लिए एक प्रेम भेंट को मेरी माँ के पास छोडा। बहन, आप इस बात को नहीं जानती है, मैं इस बात की कितनी सराहना करता हूँ, और क्या ही समय है जबकि इसे अन्दर लाया गया है।

33 और ओह, बहुत सारी चीजें हैं! आप समझते है। और मैं निश्चित हूँ कि वो उसे समझता है। और इसलिए मैं बस यह भरोसा करता हूँ कि वह आप में से हर एक को बहुतायत से आशीष देगा। मेरी ऐसी इच्छा है कि मैं आप में से हर एक के साथ आपके घर जाऊँ, और—और कुछ समय के लिए आप के साथ रहूँ, और आप से बातचीत करूँ। मुझे ऐसा करना अच्छा लगता है।

34 लेकिन, यह, आप जानते हैं कि यह किस प्रकार से है, यह निरन्तर चलता रहता है। हमें बस तेजी से जाना होगा। साफ़–साफ़ बोलूं, तो आज रात्रि सभा के तुरन्त बाद, यदि प्रभु की इच्छा हुई, मैं इस राज्य से चला जाऊंगा, बस जैसे ही सभा समाप्त होती है। मुझे यहाँ से बारह बजे से पहले बाहर निकलना होगा। बारह बजे मेरी एक भेंट वार्ता है। मेरे पास पूरी दोपहर है। और मैं... आप जानते हैं कि वह किस प्रकार से होता है। यह बस निरन्तर ऐसे ही चलता रहता है, हर समय; लोग बिमार हैं, मर रहे हैं।

35 और बहुत सी बार मैं एक स्थान पर जाता हूँ, और बस वहाँ पर खड़ा होता हूँ, और कोई तो अन्दर आता है, कहता है, "भाई ब्रंहम, आप मुझे जानते हैं? "

"नहीं, मैं नहीं जानता हूँ।"

36 "क्यों, मैं अस्पताल में पड़ा हुआ था, मर रहा था, जब आपने आकर और मेरे लिए प्रार्थना की। प्रभु ने मुझे चंगा किया।" "जब आप मुझे उस सड़क पर मिले, मैं अंधा था, उस दिन पर दृष्टि आ गयी।" समझे? और मैं—मैं यह कभी भी जान नहीं पाया कि यह क्या बात है।

37 लेकिन भाई ईगन, मैं इस आशीषमय विचार के विषय में सोच रहा हूँ, कि किसी दिन जब मैं अपने अंतिम संदेश का प्रचार कर लूंगा, मैं उस अंतिम व्यक्ति के लिए प्रार्थना कर लूंगा जिसके लिए प्रभु चाहता है कि मैं प्रार्थना करूँ, और मैं घर चला जाता हूँ! और उस पुनरुत्थान की सुबह, ओह, वह क्या ही एक आनन्दमय दिन होगा! जब मैं वहाँ खड़ा हो सकता हूं, जब दक्षिण की रानी वहाँ पर आएगी, मैं इस बात को समझ सकता हूँ कि उसका क्या ही प्रभाव था! मैं वहाँ पर बिली ग्राहम को आते हुए देखूंगा, और उस प्रभाव को देखूंगा जो कि उनका था। ओरल राबर्टस, और वे बाकी के सभी, सैंकी, फिन्नी, मूडी, केलविन, नॉक्स और इत्यादि। तब फिर मैं अपने झुण्ड को आते हुए देखूंगा। ओह, वह एक आनन्दमय समय होने जा रहा है, वहाँ मुझे ताज पहनाया जायेगा। यह ठीक बात है। और, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, मैं वहाँ पर बहुत से लाखो लोगों के होने की आशा कर रहा हूँ।

38 और अब बहुत ही जल्द मुझे विदेश के लिए जाना होगा। और अब, जहाँ तक कि मैं जानता हूँ, ठीक हमारी अपनी सभाओं में, बस इसके विषय में सोचे, मैंने मसीह के लिए बीस लाख प्राणों को जीत लिया है। और मुझे—मुझे आशा हैं कि मैं देखूं लाखों और लाखों लोगों को जीत लिया गया है।

39 अब, बपतिस्मे की सभा है, और मेरी अब वे—वे भेंटवार्तायें और चीजे है। और, अब, यह सभा के बाद निरन्तर होने जा रहा है।

40 यदि किसी समय आप निजि साक्षात्कार या इंटरव्यू या इत्यादि के लिए वापस आ रहे हैं, तो बस प्रतिनिधि भाई मर्सियर को फोन करे जो कि यहाँ पर है। हमारे पास किसी प्रकार की व्यवस्था होना है, जों कि हमारे पास

होना चाहिए। हम उस बात को जानते हैं। और भाई मेर्सियर, वे उन्हें लेते हैं, जैसे ही वे आते हैं वे उसे ले लेते है, और जैसे ही मेरी भेंटवार्तायें समाप्त हो जाती है, वे सारी समाप्त हो जाती है, मैं... जब मैं अन्दर आता हूँ, मैं उन्हें बुलाता हूँ और बताता हूँ, "मेरे कार्य को उस झुण्ड से समाप्त कर लिया है।" वह मुझे एक नये झुण्ड को देते है, और मैं फिर से वहां चला जाता हूँ, आप समझे। तब, सभी कार्य उसी कार्यालय से होते हैं। और वे जानते हैं कि उनकी बस किस तरह से व्यवस्था करना है ताकि वे हर एक को अन्दर ला सकें, जिसे अन्दर ला सकते है, आप समझे। सो, जिस प्रकार से यह छोटा सा कार्यालय कार्य कर रहा है, हम उससे बहुत ही खुश हैं। सो उनका बस नम्बर है बटलर 2-4549। [टेलीफोन नंबर बदल गया है।—सम्पा।] और यही... या, यदि आप जेफरसनविले फोन करते हैं, बस मेरे लिए फोन करें, और वे उस कार्यालय में वहाँ पर आपको उत्तर देंगे। और आपका धन्यवाद, बहुत सज्जनता पूर्वक।

41 अब आईए, बस इससे पहले कि हम उसके आशीषित वचन को खोलें... और याद रखे, इस सभा के समाप्त होने के तुरन्त बाद, और बपतिस्में की सभा के बाद, आज रात्रि प्रार्थना कार्डों को देने के लिए बिली यहाँ पर होगा।

42 अब, आज रात्रि कलीसिया की रात है, रविवार रात है, शहर के अधिकतर लोग बाहर उनकी कलीसिया में होंगे, और लुईसविले के आसपास और हर कहीं। वे अपनी कलिसियाओ में होंगे। लेकिन यह अधिकतर बाहर के लोग होंगे। इसीलिए, मैं सोचता हूँ कि शायद हम आज रात्रि एक बड़ी प्रार्थना पंक्ति को ले सकते है और उनमें से हर एक के लिए प्रार्थना करेंगे। मैं भरोसा करता हूँ कि हम करेंगे। हमने कुछ प्रार्थना कार्डों को बाँट दिया है।

43 मैं—मैं सोचता हूँ, पिछली रात्रि, पिछली रात्रि के बाद, ओह, मुझे बस इस प्रकार से अहसास हुआ कि मैं उन अकेले उडानों में से एक को लूँ, आप जानते हैं, हम उसके विषय में बातचीत करते हैं। बस देखने के लिए, इस छोटे से आराधनालय में, फिर से, हाथ उठे हुए है।

44 यहाँ मेरा एक छोटा सा लड़का है, वह बस एक लड़का ही है, छोटा जोसेफ। वह बस लगभग तीन वर्ष का है। और जब वे सब चिल्ला रहे थे, क्या वह ठीक वहाँ पर उस चर्च के गलियारे के मध्य में कूदा नहीं होता और उन

हाथों को ऊपर की ओर नहीं किया होता, और ठीक वहाँ गलियारे के मध्य में जयजयकार और प्रभु की स्तुती नहीं की होती! और मैं सोचता हूँ कि इस सुबह उसने इस बात को अपनी छोटी बहन के साथ मिलकर किया, और उसके हाथ में काटा, सो मैंने उसको बताया कि उसके चिल्लाने से बहुत अधिक लाभ नहीं होगा जब तक कि वो उस तरह से व्यवहार करता है। ओह, परमेश्वर! वे छोटे बच्चे, वे वास्तव में आपके पास खड़े हो सकते हैं, क्या वे नहीं खड़े हो सकते हैं? अच्छा, बिल्कुल ऐसा ही है, ऐसी ही बात थी, उसने बस बाकी सभी को उस प्रकार से करते हुए देखा था और सोचा कि उसे भी बस वैसे ही करना चाहिए, और शायद हमारा अनुकरण किया, जिस प्रकार से हम कर रहे थे।

45 अब हमारे पास उसका वचन यहाँ पर खुला हुआ है। अब बस आईए हम उससे इसके विषय में बातचीत करें। अब बस एक...

46 प्रिय परमेश्वर, जब हम अभी आपके पास आते है, आदरपूर्ण, शांतिपूर्वक, गंभीरता के साथ, और विश्वास में, यह विश्वास करते हुए कि आप प्रार्थना को सुनते हैं और उत्तर देते हैं। क्योंकि, हम आपके पुत्र प्रभु यीशु मसीह के उस सर्व–पर्याप्त नाम में आते हैं, वो एक जो अचूक है, और उसने यह प्रतिज्ञा दी है, कि, "यदि तुम पिता से मेरे नाम में जो कुछ मांगोगे, मैं उसे करूंगा।" फिर हम जानते हैं कि ठीक जो भी हम मांगते हैं, वह हमें प्राप्त होगा, क्योंकि हम उसके नाम में आते हैं। क्योंकि हमारे पास कोई भी नाम नहीं है जिससे कि हम आपके पास आ सके, उस महान शक्तिमान यहोवा परमेश्वर के पास आ सके। और हम उसके अनुग्रह में होते हुए आते हैं, यह अंगीकार नहीं कर रहे हैं कि हम किसी चीज के पाने योग्य है, लेकिन इसलिए कि उसने हमारे लिए एक प्रायश्चित को किया है, उसी में वह हमारे लिए मरा। और उसने हमारे पापों के लिए प्रायश्चिता को किया, और हम यह महसूस करते हैं कि उसकी मृत्यु के द्वारा हम उसकी दृष्टि में धर्मी ठहरते हैं। यही हमारा विश्वास है। और हम किसी ऐसी चीज की माँग नहीं कर रहे है जो कि बुरी है, लेकिन ऐसी चीज की जो कि हममें से हर एक के लिए भली होगी।

47 इसलिए, प्रभु परमेश्वर, अपने वचन के द्वारा हमसे बातचीत करें। और हमसे उस आवाज़ में बातचीत करें, कि हम इसे समझें और यह जानें कि बस बेहतर पुरूष और स्त्री, लड़के और लड़की कैसे बनना है। यह जानते

हुए कि मृत्यु पर उस ओर एक बड़ा फाटक है, हर एक बार जब हमारे ह्रदय में एक धड़कन होती है, हम बस एक धड़कन से उस फाटक के और नजदीक आ जाते है जिसके अंदर हम सभी जाएंगे। और फ़िर उस बात को जानते हुए, कि वहाँ अन्दर जाने के बाद, वहां एक भी अवसर कभी भी मेल–मिलाप करने का नहीं मिलेगा। कभी भी हमें इस प्रकार का अवसर प्राप्त नही हो सकता है जो कि ठीक अभी हमारे पास है। और हम इस बात को नहीं जानते हैं कि कब हम रेखा को पार करेंगे, हे परमेश्वर, हमारे पास जल्द आईए और हमें इस बात की अनुभुति प्रदान करें कि हम उसे करें, और यह जाने कि आपके पास कैसे आना है, और अपने मामले को आपके समक्ष लाकर निवेदन करे और दया के लिए मांगे। प्रभु, इसे प्रदान करें।

48 हम जरूरतमंद लोग हैं। हम भेड़ हैं, उस चरवाहे को बुला रहे है जो कि हमारा जीवन में से होते हुए अगुवाही करे, और मृत्यु की छाया की घाटीं में से होते हुए करे। जैसे कि पुराने समय में दाऊद ने, कहा, "मैं भयभीत नहीं होऊँगा जब मैं उस स्थान पर पहुँचता हूँ," क्योंकि वह चरवाहा मेरी अगुवाही ठीक उस स्थान में से होते हुए करेगा, जब तक कि हमारे पैर उस महिमामय तट पर स्थायी रूप से नहीं ठहर जाते हैं, जहाँ पर बुढ़ापा और बीमारी और दुःख और मृत्यु हममें से चले जायेंगे, और वहाँ पर हम हमेशा के लिए आजाद हो जाएंगे।

49 प्रभु, आप बोलें। यहाँ मेरे सामने यह छोटी सी चमकती आँखों वाली किसी की प्रिय बच्ची इस पहिए वाली कुर्सी पर बैठी हुई है; मैं अपनी आँखों को आज उस पर से हटा नही पा रहा हूँ; पोलीओ से पूरी तरह से अपंग है, दुष्ट ने ऐसा उसके साथ किया है। हे परमेश्वर, उस छोटी प्रिय लड़की को छुटकारा प्रदान करें। प्रभु, इसे प्रदान करें। केवल उसे ही नहीं, लेकिन दूसरों को भी जो कि यहाँ पर प्रतीक्षा कर रहे हैं। होने पाए कि आज सुबह आपका आत्मा उन्हें इतना अधिक ऊँचा उठाये, कि वे संदेह के उस हर एक कंपन को और हर पाप की बाधा को पार कर जाएं, कि आपका आत्मा उन पर मंडराये और उन्हें चंगा करे। प्रभु, इन चीजो को प्रदान करें। क्योंकि हम इन आशीषों को आपकी महिमा के लिए आपके पुत्र प्रभु यीशु मसीह के नाम में माँगते हैं। आमीन।

50 अब, इस सुबह विषय के लिए मैंने चुना है... और आप छोटे बच्चों, मुझे

क्षमा करे, क्योंकि मैंने बड़ों के साथ समय को लिया, और आपकी कक्षा यहाँ पर इस सुबह नहीं हुई है। लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप भी वह सुने जिसे मैं पढ़ना चाहता हूँ। और इस सुबह मैं पहला शमूएल, तीसरे अध्याय में से पढ़ना चाहता हूँ।

51 और मैं एक विषय को लेना चाहता हूँ: *उसकी आवाज सुनो*। यह उन छोटी लड़कियों और बड़ी लड़कियों, और छोटे लड़कों और बडे लड़कों के लिए कार्य करेगा, सभी के लिए कार्य करेगा। विषय को याद रखें: *उसकी आवाज सुनो।*

52 अब, आप जो वचन को खोल रहे है, पहला शमूएल, और उसका 3रा अध्याय, पहले दस पद इस प्रकार से है।

> *और वह बालक शमूएल एली के सामने प्रभु की सेवा टहल करता था। और उन दिनों में यहोवा का वचन दुर्लभ था; और वहां दर्शन कम मिलता था।*

53 ओह, मैं उस एक के लिए वहाँ पर बने रहना चाहता हूँ, हो सकता है किसी और समय। यह बात मुझे अभी मिली। मुझे इसे, उस पद को एक बार फिर से पढ़ने दे।

> *और वह बालक शमूएल एली के सामने प्रभु की सेवा टहल करता था। और उन दिनों में यहोवा का वचन दुर्लभ था; और दर्शन कम मिलता था।*

54 उस वक्त देखा दर्शन क्या होता है? यह सीधे प्रभु से वचन होता है। समझे? और प्रभु का वचन अनमोल था।

> *और उस समय ऐसा हुआ कि जब एली जब अपने स्थान में लेटा हुआ था, और उसकी आँखें तो धुंधली होने लगी थी, और उसे दिखाई नहीं पड़ता था;*
>
> *और परमेश्वर का दीपक अब तक बुझा नहीं था, यहोवा के मंदिर में, जहां परमेश्वर का सन्दूक था और शमूएल, सोने के लिए लेटा हुआ था;*
>
> *तब यहोवा ने शमूएल को पुकारा; और उस ने कहा, क्या आज्ञा।*

और तब उसने ऐली के पास दौड़कर कहा, क्या आज्ञा; तूने मुझे पुकारा है। और वह बोला, मैंने नही पुकारा; फ़िर जा लेटे रह। तो वह जाकर लेट गया।

और प्र... तब यहोवा ने फिर से पुकार कर कहा, हे शमुएल। शमुएल उठकर ऐली को पास गया, और कहा, क्या आज्ञा... क्या आज्ञा तूने जो मुझे पुकारा है। उस ने कहा, हे मेरे बेटे, मैंने नहीं पुकारा; फिर जा लेटा रह।

अब उस समय तक तो शमूएल यहोवा को नहीं पहचानता था, और न तो यहोवा का वचन उस पर प्रगट हुआ था।

फिर तीसरी बार यहोवा ने शमूएल को पुकारा। और वह उठकर और एली के पास गया, और कहा, क्या आज्ञा; क्योंकि तूने तो मुझे पुकारा है। तब एली ने समझ लिया कि बालक को यहोवा ने पुकारा है।

इसलिए एली ने शमूएल से कहा, जा लेट रह; और यदि वह तुझे फिर से पुकारे, तो तू कहना, कि हे यहोवा, कह, क्योंकि तेरा दास सुन रहा है। तब शमूएल अपने स्थान पर जाकर और लेट गया।

तब यहोवा आ खड़ा हुआ, और पहिले की नाई पुकारा, शमूएल, शमूएल। शमूएल ने कहा, बोल, क्योंकि तेरा दास सुन रहा है।

55 परमेश्वर की आवाज! उन दिनों में उसकी आवाज को सुनना दुर्लभ बात थी। समझे, दर्शन खुले रूप से नहीं मिलता था। परमेश्वर की वास्तविक आवाज एक दुर्लभ बात थी, क्योंकि लोग दूर हो गए थे। उन दिनों में उनके पास एक कलीसिया थी, जो कि बस परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं करते थे। उनके पास एक—एक सेवक था जिसका नाम एली था। और वह परमेश्वर से दूर हो गया था, जो लोग विश्वास करना चाहते थे, बस उसी ज्ञान को सिखाने के द्वारा। क्या यह बात आज के दिन तक वैसी ही नहीं है! वह बस लोगों को सिखाता था, और वह—वह अपने चुनो हुओं को लेता था, और वहाँ से माँस के सबसे अच्छे टुकड़ों को लेने के लिए उसके पास उसके पुत्र थे, जो चोरी करके, उस—उस भेंट में से ले लेते थे। और वह बस एक ऐसा स्थान बन गया था जहाँ पर भेंट मुख्य बात बन गई थी। और

शमूएल, वो बस परमेश्वर की आज्ञाओं को निभानें में लापरवाह था। और परमेश्वर का वास्तविक वचन एक दुर्लभ बात थी।

56 इसी प्रकार से आज है। हम कलीसिया में जाते हैं और हम पाते हैं कि लोग अन्दर आ रहे होते हैं और एक बड़ा अभियान चल रहा होता है, "इस वर्ष हम हमारे संप्रदाय में *इतने* अधिक लोगो को और लाएंगे। अपने कागजात को अपनी कलीसिया से लेकर आएं और, हमारे साथ जुड़ जाएं।" और इस प्रकार के नारे, जैसे कि, "44 में दस लाख और।" और इसी प्रकार की बातें, चिल्लाहटें होती, दूसरे संप्रदाय से ज्यादा लोग एकत्र करने की होड़ में हैं। और ऐसा करने के द्वारा, हमने बाईबल की रेखाओं को गिरा दिया है। हम दूर चले गए हैं, और भिन्न बातों को सिखाना आरंभ कर दिया है।

57 भविष्यव्यक्ताओ ने इन दिनों के विषय में कहा है, और जब, "वे लोग सिखाने के लिए, मनुष्य की शिक्षाओं को सिखाते हैं और परमेश्वर की शिक्षा को नहीं सिखाते हैं।"

58 और उस प्रकार की बातों को हमने इतना अधिक देखा है, और यह बात इतने समय से हो रही है, इतना तक कि आज प्रभु का वचन एक दुर्लभ बात बनकर रह गई है, कि कोई आकर और यह कह सके, "**यहोवा यों कहता है**।" अब, हमारे पास इस बात की बहुत सारी नकले हैं। शैतान वास्तविक रूप में अपना कार्य कर रहा है। और बहुत वर्षों पहले, लोग इस बात को कहने में इतना डरा करते थे जब तक कि यह प्रभु की ओर से नहीं होती थी। लेकिन, आज, वे बस परवाह नहीं करते है। लेकिन प्रभु की आवाज को सुनना एक दुर्लभ बात है, और एक ऐसे व्यक्ति को ढूंढ़ना जो कि यह कह सकता है, "प्रभु ने मुझसे बात की है।" आप ध्यान दें कि लोगों के बीच में यह बात अब और अधिक नहीं है, कि मुश्किल से कभी ऐसा समय आया हो जब उन्होंने यह कहा हो, "प्रभु ने मुझसे बात की।"

59 जब कि पुरूष और स्त्री पूरी रात्रि प्रार्थना किया करते थे, और उनके घर प्रभु व्यवस्था में थे, किताबो के द्वारा, और उनके घर में परमेश्वर को पहला स्थान प्राप्त था।

60 देखो, प्रभु से पहले हमारे पास करने के लिए बहुत सारी चीजे हैं। आपके पास प्रार्थना सभा नहीं हो सकती हैं, क्योंकि श्रीमान गाडफ्री का कार्यक्रम आज रात्रि प्रसारित होगा। आपके पास प्रार्थना सभा नहीं हो सकती हैं

क्योंकि *हम सूसी से प्रेम* करते हैं, प्रसारित होने जा रहा है। या, उस प्रकार की मूर्खतापूर्ण बकवास चीजे, जो कि उस समय को ले लेती है, और हमारे पास प्रभु की आवाज को सुनने का समय नहीं होता है। और वे जो कि मसीही होने का दावा करते हैं, बस घुटनों को टेकते हैं, इस प्रकार की घर में बनी हुई छोटी सी प्रार्थना करते है, "प्रभु, मुझे और परिवार को आशीष देंना, और हमारा ख़्याल रखें। शुभ रात्रि।" और अगली सुबह, उठकर यह कहते हैं, "दिन भर हमारा बस मार्गदर्शन करें। अच्छा दिन हो।"

61 हमें प्रभु के लिए रुके रहना चाहिए। आप समझे, हर समय बातचीत करते रहते हैं। हम परमेश्वर को आपसे वापस बातचीत करने का अवसर नही देते हैं। कि, यदि हम प्रार्थना करते है, और तब तक प्रार्थना करना चाहिए जब तक कि हमारा प्राण परमेश्वर की उपस्थिति में न आ जाए, और उसके बाद बस विश्राम करें और उसकी आवाज को सुने।

62 लेकिन आज, बहुत सी आवाजें हैं, जो कि प्रभु की आवाज को हमसे दूर ले जाती हैं। वहां सुख विलास की आवाज है। बहुत से लोग उसको सुन रहे हैं, जहाँ पर वे जा सकते हैं और उनका एक अच्छा समय बीता सकते है। और उनमें से बहुत से लोग मसीही होने का दावा करते हैं। किसी प्रकार का पुराना राक–एन–रोल नाच आता है, वे बस भक्ति से भरे हुए उन गीतों को नहीं सुन सकते हैं। वे कहते हैं, "खैर, मैं मसीही हूँ, मुझे आज बाईबल में से एक पद को पढ़ना चाहिए। जी हाँ, 'यीशु रोया।'" बस ऐसा ही है। आगे बढो। लेकिन फिर वास्तव में नीचे बैठकर और प्रार्थना करना, उनके पास करने के लिए बहुत सी चीजे हैं। संसार में बहुत सारी आवाजें हैं, परमेश्वर की ओर से हमारा ध्यान हटाने के लिए बहुत सी चीजे हैं।

63 और कल, जब मेरी पत्नी और मैं राशन को लेने के लिए एक बहुत बड़े बाजार में गए। और मैं जल्दी–जल्दी कर रहा था क्योंकि मुझे भेटवार्ता और चीजों में देर हो रही थी, और बहुत ही जल्दी कर रहा था। और वहाँ पर एक छोटा लड़का खड़ा हुआ था, जो आधी नींद में था, और एक छोटी सी लड़की वहां आती है जिसने कि छोटी पतलून पहन रखी थी, जो कि किसी पुरूष की थी। उनको किसी पुरूष का ही होना था क्योंकि वो किसी पुरूष के लिए ही बनी थी।

64 और बाईबल कहती है, "परमेश्वर की दृष्टि में स्त्री के लिए पुरूषों के वस्त्र पहनना एक घृणित बात है।"

65 और उसने बहुत सारी लिपिस्टिक लगा रखी थी, और उसकी आँखों से ऐसी लग रही थी जैसे लगभग आधी सो रही हो, उसने कहा, "*फलाना–और–फलाना* कहाँ पर है? " उस छोटे से लड़के से कहा।

लड़के ने कहा, "तुम यह कैसे अपेक्षा कर सकती हो कि मैं इस बात को जानता हूँ? "

66 उसने कहा, "तुम्हें याद है, में यहाँ आज सुबह छह बजने तक नहीं आई।" और उसकी उम्र बारह वर्ष से अधिक नहीं थी।

67 अब, यीशु ने, बारह वर्ष की अवस्था में, जो कि हमारा उदाहरण है, कहा, "क्या तुम नहीं जानते हो कि मुझे अपने पिता के कार्य को करना है? "

68 इस बात में कोई आश्चर्य नही है कि परमेश्वर की आवाज आज एक दुलर्भ बात है। वो बहुत सारी आवाजों के द्वारा दब गई है, बहुत सारी चीजें हैं जो कि उसको धुँधला कर देती हैं और उसे दूर कर देती है। ये एक ऐसी स्थिति तक पहुंच गए हैं इतना तक कि उसने हमारी चेतनाओं को मंद कर दिया है, इतना तक कि हम परमेश्वर की आवाज को नहीं सुन सकते हैं। हमारी चेतनाएं, हमें अपने आप को हिलाना चाहिए, और इस बात की अनुभूति होनी चाहिए कि आप पुरूष और स्त्री हैं, और आप परमेश्वर की सृष्टि हैं, और आप को यहाँ पर उसकी सेवा करने के लिए रखा गया है। लेकिन शैतान और झूठे भविष्यद्वक्ताओं की आवाजें कहती है, "ओह, आधुनिक बनो!"

69 जैसा कि मैं कुछ दिनों पहले बोल रहा था, जब मैं कलीसिया आ रहा था, और मैंने अपना रेडियो चालू किया। और लूईसविले से मैंने एक कार्यक्रम को सुना, जिसमें कहा गया कि वे अपने बच्चों को कलीसियाओं में बस संयम तरीके से शराब पीना सिखा रहे है। उन्हें आधुनिक बना रहे थे, जिससे कि वे कुछ ज्यादा न पीने लगे।

70 ओह, मसीह के विषय में सिखाने की आवश्यकता है, ना ही शराब पीने के विषय में। और यह बात किसी भी घर का विनाश कर देगी, और बरबाद कर देगी, और बिगाड़ देगी। परमेश्वर की आवाज कैसे एक परिवार के मध्य में बोल सकती है जो कि विस्की में आधा डूबा हुआ हो, और उनके मस्तिष्क धूम्रपान करने और शराब पीने से, और सारी रात भर शराब की पार्टी करने से लकवाग्रस्त हो चुके हों?

71 मनुष्य जो कि परमेश्वर की बाट जोहते हैं, उसकी उपस्थिति में आते हैं। और परमेश्वर की उपस्थिति में आना बस सुबह–सुबह को बाहर जाने के सामान होता है, जब ओस और मधुचूष फूल पूरी तरह मधुर होते है। जब आप इस प्रकार के किसी व्यक्ति की उपस्थिति में आते है, आप जान जाते है कि वे परमेश्वर के साथ में रहे हैं।

72 आज सुबह यहाँ आते हुए मेरी पत्नी ने मुझसे कहा। उसने कहा, "बिली, मैं यह बात बस किसी की तरीफ करने के लिए नहीं कह रही हूँ। लेकिन," उसने कहा, "पिछली रात्रि," मैं सोचता हूं कि उसने एक रात्रि के लिए कहा, उसने कहा, "मैं एक छोटी सी अमीशी स्त्री के पास बैठी हुई थी, और वह एक छोटी सी महिला थी जिसके सिर पर एक छोटी सी टोपी थी।" उसने कहा, "और आप बता सकते थे कि वह स्त्री यीशु के साथ रही थी, क्योंकि वह मधुर थी। उसका प्राण कोमल था। उसकी आँखें साफ थीं।" वहां छुपाने के लिए, या किसी भी प्रकार का कोई पाप नहीं था। वह परमेश्वर की उपस्थिति में रही थी। उसकी चेतनाएं विस्की और तम्बाकू, और संसार की सब प्रकार की चीजों के द्वारा मंद नहीं हुई थीं। वह परमेश्वर की उपस्थिति से तरोताजा थी, अपनी बाईबल को पढ़ती थी, परमेश्वर के वचन का अध्ययन करती थी।

73 लेकिन, हम आधुनिक अमरीकी लोग, हम क्या करते हैं! और मंच के पीछे झूठे भविष्यव्यक्ता कहते हैं कि यह ठीक बात है। एक प्रकार से इस बात को कहने का मेरा विचार है। यदि मैं गलत हूँ, तो परमेश्वर मुझे क्षमा करें। मैं इस बात से यकीन करता हूँ कि उनमें से बहुत से परमेश्वर को नहीं जानते हैं। और सभा के लोग कभी भी अपने पास्टर की तुलना में बेहतर जीवन को नहीं जीयेंगे। कोई आश्चर्य नहीं है कि वचन कहता है, "यह चरवाहे, कैसे उन्होंने भेड़ो को तितर–बितर कर दिया है! उन पर हाय। वे वो डालियाँ हैं जिसमें कि कोई फल नही लगता है, जिनको उखाड़ दिया जाएगा और जला दिया जाएगा।"

74 सो आज लोगों की चेतनाओं को मंद करने के लिए बहुत सी चीजे है! ओह! लेकिन उन सब चीजों के बीच में, हर एक मंद करने वाली चीज और आज संसार में की हर एक आवाज में! उनमें से कुछ, सुखविलास की आवाजे हैं। उनमें से कुछ पाप से भरी आवाजें हैं—है, जिससे कि लोगों को लुभाए। लेकिन उन सब बातों के होते हुए, परमेश्वर का सत्य फिर भी बना

हुआ है, "जो कोई मेरी आवाज को सुनेगा, और मेरे पीछे आएगा!" पुरूष और महिला जो परमेश्वर की आवाज को सुनेंगे: परमेश्वर अभी भी उस हर एक व्यक्तिगत से बात करने के लिए रुका हुआ है जो कि अपने कानो को परमेश्वर की आवाज को सुनने के लिए खोलता है।

75 यदि एक मनुष्य, वह कौन है, और पास्टर... बहुत सी बार, लोग कहते हैं, "क्या आप *यह* नहीं कर सकते हैं? क्या आप *यहाँ* पर नहीं जा सकते हैं? क्या आप *यह* नहीं कर सकते हैं? " ओह, मुझे इसे करना पसंद है। लेकिन मुझे परमेश्वर की उपस्थिति में रहना होता है यदि मैं उस चीज को सही करने जा रहा हूं। फिर लोग कहते हैं, "ओह, भाई ब्रंहम उन अलगाववादियो में से एक हैं।" ये ऐसा नहीं है। मैं लोगों से प्रेम करता हूँ, लेकिन ऐसे हजारों लोग हैं। लेकिन मुझे अवश्य ही उसके साथ बने रहना है, ताकि यह पता लगाये कि वह उनको बताने के लिए मुझसे क्या कहता है। कहीं पर, बस इस बात को सुने, उसके पास आपके लिए कुछ होता है, जो कि वह चाहता है कि आप इस बारे में जान ले।

76 पास्टर, आप कभी भी इतने अधिक व्यस्त न हो जाना लेकिन आप उसकी उपस्थिति में रहे और उसकी आवाज को सुन सके। परमेश्वर हमेशा अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है। और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि समय कितना भी बुरा क्यों न हो, आपका कलीसिया इस बात के विरोध में कितना ही प्रचार क्यों न करे, यीशु मसीह अभी भी उस धीमी आवाज में किसी से भी बातचीत करने की इच्छा रखता है जो कि उसकी सुनेगा। वो अभी भी ऐसा करने के लिए तैयार है, यदि हम बस अपने आप को शान्त कर लें।

77 लेकिन हम परेशान होकर अंदर भागते है, और कहते हैं, "पास्टर, क्या मैं इस कलीसिया में जुड़ सक़ता हूँ? "

"आप किस कलीसिया से आए हैं? "

"*फलाने–और–फलाने से।*"

"अच्छा, अपने कागजात को लाकर हमें दें।" ओह, मेरे परमेश्वर!

"क्या मैं इस कलीसिया में जुड़ सकता हूँ? "

78 "ओह, हाँ। आगे आओ, हम तुम्हारे ऊपर थोड़ा सा पानी से छिड़काव करेंगे, और तुम्हारे नाम को किताब में लिख लेंगे। और तुम्हे संगती का दाहिना हाथ मिल जाएगा।"

79 तो, मेसोनिक लॉज के पास उनसे भी बेहतर व्यवस्था है। ये सच बात है। मेसोनिक लॉज और वे सारे लॉज ठीक हैं, लेकिन यह फिर भी परमेश्वर का भवन नहीं हैं। वहीं पर है जहाँ परमेश्वर बोलता है। यह लॉज आप को नैतिक बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन परमेश्वर आपको अपने पुत्र यीशु मसीह के द्वारा धार्मिक बनाता है। अब, इस चीज के साथ में नीतिशास्त्र का नियम है; परमेश्वर के पास आप के लिए नया जन्म है।

80 लेकिन उसकी धीमी छोटी आवाज को सुने। आप में से हर एक व्यक्ति जो कि मसीही होने का दावा करता है, उसके सामने अपने आप शान्त रखे। कपड़े धोने को इस बात में बाधा न डालने दें। काम को इस बात में बाधा न डालने दे। कोई भी चीज को इस बात में बाधा न डालने दे। किसी को यह पता न लगने दें कि आप क्या कर रहे है। बस उसके सामने जाएं। जंगल में कहीं पर तो जाएं। सड़क के किनारे चले जाएं। गुप्त में कमरे के अंदर जाएं और द्वार को बन्द कर दे। जब बच्चे स्कूल चले जाएं, वहां पर आप अपने घुटने पर आ जाएं। आप ने सभी स्थानों में सभी प्रकार की आवाजों को सुना होगा, लेकिन बस नीचे बैठ जाए और वहाँ पर तब तक बने रहें जब तक कि वे आवाजें शान्त न हो जाएं और आप ऊपर की ओर उठना आरंभ न कर दें। यह आपको बदल देगा। यह आपको भिन्न व्यक्ति बना देगा, जैसा कि इसने शमूएल के साथ किया था। यह आपके लिए कुछ तो करेगा यदि आप बस इस बात को करेंगे। अब, यह आपको वो बनाएगा जो आपको होना चाहिए। यह आपको उस प्रकार का मसीही बनाएगा जो आपको होना चाहिए।

81 अब आईए हम इस आधुनिक दिन में से पीछे जाए, उस दिन तक जो कि बीत गया है। आओ हम पूर्व कालों के दिनो में पीछे चले जाए। और यह परमेश्वर की आवाज जीवन के सभी चरणों में, सभी युगों में मनुष्यों के पास आयी है। कोई फर्क नही पड़ता यदि आप एक किसान हैं, यदि आप एक मोची हैं, आप चाहें कुछ भी क्यों न हों, परमेश्वर फिर भी बोलता है। यदि आप पापी हैं, यदि आप एक वेश्या हैं, व्यभिचारी हैं, यदि आप एक शराबी हैं, यदि आप (क्या हैं?) एक स्थानीय कलीसिया के सदस्य, नाममात्र— नाममात्र के लिए, चाहे आप कुछ भी क्यों न हों, परमेश्वर की आवाज फिर भी आप से बातचीत करने के लिए रुकी हुई है।

82 मैं अब मूसा के विषय में सोच रहा हूँ, जब कि वह अस्सी वर्ष का हो

चूका था, और उसके पास अस्सी वर्ष की धर्म शास्त्रीय शिक्षा थी। और वह वचन को जानता था; वह उनको अच्छी तरह से जानता था। और उसके पास एक प्रतिज्ञा थी, कि वह अपने लोगों के लिए छुडानेवाले के काम को करने जा रहा था। लेकिन, फिर भी, बस वचनों को जानना और उस दिन में आधुनिक कलीसिया का एक—एक औपचारिक सदस्य होना, उसने उस बात को अंपने हाथों में लिया और उस बात को करने का यत्न किया। उसने एक मिस्र के व्यक्ति की हत्या कर दी। आपने देखा कि आप परमेश्वर की बिना सुने क्या कर देते हैं? आप बस उस बात को गड़बड़ कर देते हैं।

83 और यदि शैतान आज सुबह आप से कहे, "तुम बपतिस्मा न लेना।" कोई दूसरा यह कहता है, "ओह, बाद में ले लेना।" एक कहता है, "अच्छा होगा कि तुम सुनिश्चित हो जाओ कि तुम क्या करने जा रहे हो।" और दूसरा एक यह कहता है, "तुम अच्छे समय को खोने जा रहे हो।" इस बात को शांत करने का एक ही तरीका है, इस बात के लिए परमेश्वर के वचन के साथ जाएं। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि लोग आज इस बात को नहीं करना चाहते हैं।

84 और मूसा, वो सबसे अच्छे रब्बीयों के पास गया था, लेकिन वे औपचारिक और ठंडे थे। उसने उस कहानी को उसकी मां से सुना था, कि कैसे उसे सरकंडो में छुपा दिया गया था, और किस तरह से वो बड़े–बड़े मगरमच्छ उसे पकड़ नहीं पाए थे। किस प्रकार से उस नदी में से बहते हुए, वह एक छोटा सा बालक था। जहाँ पर...

85 वे पुराने मगरमच्छ बस बहुत ही मोटे–ताजे थे। (यह छोटे बच्चों के लिए है।) वें उन छोटे बच्चों को खा खाकर मोटे हो गए थे। उनके पास बूढ़ी नोकीले जैसी नाक वाली स्त्रीयाँ थीं, पुलिस महिला, उन्हें कभी कोई बालक नहीं हुआ था, उन्हें यह नहीं पता था कि बालक का प्रेम क्या होता है। इसलिए, वे बस बाहर जाती और उन बच्चो को लेकर मार देती थीं, और उन्हें बाहर नदी में फेंक देती थी। वे बूढ़े मगरमच्छ बस उन छोटे बच्चों को खाकर बस मोटे हो गए थे।

86 और फिर भी, परमेश्वर ने एक माँ के हृदय के ऊपर इस बात को डाला कि वह अपने बच्चे को सीधे मृत्यु के अन्दर रख दे। क्या आप इसे नहीं देखते कि यह मसीह की प्रतिछाया हैं? वो सीधे मृत्यु के अन्दर चला गया। और

उन बूढ़े मगरमंच्छों में से हर एक उस छोटी सी टोकरी के पास आया होगा जो कि नदीं में बह रही थी। आप जानते हैं कि क्यों वे ऐसा नहीं कर पाए थे, क्यों वे उस छोटे से बालक को नहीं खा पाए थे? वहाँ पर एक दूत बैठा हुआ था। "यहाँ से दूर हट जाओ।"

87 क्यों? परमेश्वर अपने दूतों को अपने लोगों की देखभाल करने की आज्ञा देता है। प्रिय, आप भयभीत न होना। परमेश्वर आपको देख रहा है। हो सकता है कि शैतान आप के साथ कुछ करने की कोशिश करें, लेकिन परमेश्वर उससे महान है। देखा?

सो, सारे मगरमच्छों को उस छोटी सी टोकरी के पास से भागना पड़ा।

88 और फिर भी, मूसा इन सब बातों को जानता था। और, फिर भी, चालीस वर्ष के प्रशिक्षण के बाद, और उसके बाद जंगल में, उसने फिर भी चीजों को अपने हाथ में लेने की कोशिश की।

89 हम बाईबल को जानते हैं, कि परमेश्वर क्या करने के लिए कहता है, और फिर भी हम यह कहते है, "अच्छा, अब, हम *इस* बात को इस प्रकार से करेंगे। यह, बस, अद्भुतकार्यो के दिन अब और उस तरह से नहीं रहे। हम जानते हैं कि हम विश्वास नहीं करते कि हम उन्हें अब और नहीं देखते हैं, और हम यह विश्वास करते हैं कि आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए है। और जल का छिड़काव करना बस उतना ही ठीक है जितना कि जल में डुबाना। और पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा बस उतना ही ठीक है जितना कि प्रभु यीशु का नाम है। और अतः हम बस... बाकी के सारे उस ओर जा रहे हैं, सो हम भी बस उसी तरह से करेंगे।"

90 मूसा एक सैनिक पुरुष था। और उसने सोचा कि जिस तरह से उसका प्रशिक्षण एक सैनिक व्यक्ति की तरह से हुआ था, कि वह बस मिस्त्र के लोगो को बस अपने हाथों से मार सकता है। "बस उतनी ही अच्छी तरह से करते हुए जितना परमेश्वर उसे करता है।" क्या आपने इस बात के विषय में सोचा है? हर एक जन मूसा को एक व्यक्ति की हत्या करने का दोषी ठहराया। और वो वहाँ पर पवित्र आत्मा के अभिषेक में वापस आता है और सभी को मार देता है, कोई भी उसके विषय में कुछ नहीं कहता है। उसने फिरौन की सारी सेना को मार दिया, लेकिन परमेश्वर उसमें था। परमेश्वर पहले वाले में नहीं था।

91 और उस वक्त मूसा, जो बस कलीसिया के धर्मशास्त्र के ज्ञान से पूर्ण रूप से भरा हुआ था, उसको अगला फिरौन होना था। और हम उसे पाते है, कि वह परमेश्वर को अब तक नहीं जानता था।

92 लेकिन एक सुबह, रेगिस्तान के पीछे, एक अस्सी वर्ष का बूढ़ा मनुष्य, उसकी मूँछें नीचे की तरफ लटकी हुई थीं, उसने जलती हुई झाडी को देखा। और वह यह देखने के लिए एक ओर मुडा कि क्या चल रहा है। और जब वह झाडी के निकट पहुँचा, उसने एक आवाज सुनी। परमेश्वर को उसे चालीस वर्ष तक चुप रखना था, इससे पहले कि वह उससे कभी बात कर सके। और हम, दस मिनट तक शान्त नहीं रहते जिससे कि परमेश्वर हमसे बात कर सके, इस दिन की सारी गड़गड़हट और बड़बड़ाहट के साथ, जो इस दिन पर हमारे पास है।

93 आर फिर भी मूसा, चालीस वर्ष के बाद, वहाँ पर खड़ा था, और उस झाड़ी के उपस्थिति में। और उस आवाज ने उसको बुलाया, उस घटना के बाद, वह परमेश्वर के विषय में पाँच मिनट में इतना अधिक जान गया, जितना कि पूरे अस्सी वर्ष के प्रशिक्षण ने भी उसे नहीं सिखाया था। इस बात ने उसे भिन्न व्यक्ति बना दिया।

94 यह आप में एक भिन्न पुरूष और स्त्री बनायेगा, यदि आप पर्याप्त रूप से देर तक शांत बने रहे ताकि उसकी आवाज को सुने, जैसे कि शमूएल ने किया था। शान्त खडे रहें। उत्तेजित न हों जाए। यदि आप परमेश्वर से कुछ तो चाहते हैं, उससे मांगे; उसके बद्द शान्त खडे रहें और सुनें, देखें कि वो उसके विषय में क्या कहता है। बस अपने हृदय को खोल दे, और कहें, "उस बारे में क्या, प्रभु यीशु? " बस वहाँ पर बने रहें। यदि वह पहले पॉच घंटो में उत्तर नहीं देता है, तब और प्रतीक्षा करें। यदि वह आज उत्तर नहीं देता है, तब वह कल उत्तर देगा। यदि वह इस सप्ताह उत्तर नहीं देता है, वह अगले सप्ताह देगा। वहाँ पर बने रहें जब तक कि वो उत्तर नहीं देता है।

95 उसकी आवाज को आपके हृदय में वापस बात करते हुए सुने, और कहती है, "हाँ, मैं ही वो प्रभु हूँ जो तुझे चंगा करता है।" फिर इससे बात खत्म हो जाती है। तब आप स्थिर हो सकते हैं। समझे? "मैं ही वो प्रभु हूँ जो कि तेरे सारे पापों को क्षमा करता है। अब जा और आगे से पाप न करना। मैं तुझे दोषी नहीं ठहराता हूँ।" उसके बाद आप स्वतन्त्र होकर जा

सकते हैं। आप पूर्ण रूप से ठीक हैं। लेकिन आप सुनिश्चित होना चाहते हैं कि आपने उस आवाज को बोलते हुए सुना है। मूसा ने उसे सुना था। वह एक बदला हुआ मनुष्य था।

96 यशायाह भविष्यद्वक्ता को देखें। यूवा पुरुष की नाई, उसने उसे बनाया था। वो महान प्रशंसात्मक राजा उज्ज़िय्याह, उन दिनों में, एक धर्मी मनुष्य, एक भला मनुष्य था। उसने यशायाह से प्रेम किया, क्योंकि वह जानता था कि वह भविष्यव्यक्ता है। और अतः वह राजा के हाथ पर आश्रित था। हर एक चीज जिसे वह चाहता था, इसलिए, उज्ज़िय्याह उसको दे देता था। और हर एक बार वो किसी भी चीज को माँगता, इसलिए, भला राजा उसे दे दिया करता था। लेकिन एक ऐसा समय आया जब राजा की मृत्यु हो गई।

97 समृद्धि या बढ़ोतरी होना हमेशा लोगों को नष्ट कर देता है। यह बात कहने में बहुत कठोर है। लेकिन समृद्धि एक मनुष्य को प्रभु से दूर ले जाती है। परमेश्वर ने बाईबल में एक स्थान पर कुछ इस विषय से मिलती जुलती बात कही है, और उसने कहा, "जब मैंने तुम्हें आशीषित किया, और तुम्हें बहुत कुछ दिया। जब तू निर्धन था और तेरे पास कुछ नहीं था, मैं तेरे पास आया, और तुने मेरी सुनी और मेरी सेवा करी। लेकिन जब मैंने तुझे आशीषित किया और तुझे बहुतायत से दिया, तब तूने अपने सिर को मुझसे फेर लिया।" यही है जो कि अमेरिका ने किया है, उनके सिरो को फेर लिया है।

98 यही है जो कलिसियाओं ने किया है। आप वहां कोनों पर बैठ सकते हैं, और आपके पास बहुत बड़ी और ईमारत हैं, और लाखों डॉलर हर एक... उसमें लगाये गये हैं, और हर एक चीज बस इतनी अधिक आसान है जितना कि वो हो सकती है। कोई आश्चर्य नहीं है कि आप के पास परमेश्वर की आवाज को सुनने का समय नही है। लेकिन प्रतिक्षा करे उस घड़ी के आने तक जब इसे ले लिया जाएगा, फिर आप उसे सुनने के लिए तरसेंगे। अभी सब कुछ बहुत अच्छा है, लेकिन वह घड़ी आ रही है जब ये उस प्रकार से नहीं होगा।

99 सो, यशायाह, वह राजा के हाथों पर आश्रित हो सकता था। और वह एक प्रशंसात्मक यूवा पुरुष था, और इस यूवा मनुष्य में एक अच्छी आत्मा थी, इसलिए राजा उससे प्रेम करता था। और एक दिन, उसके नीचे से सहारा हट गया था। राजा की मृत्यु हो गई। और जब राजा की मृत्यु हो गई,

यशायाह को अकेले जाना था। और फिर वह यहाँ–वहां देखने लगा, और उसने पाया कि हर एक जन राजा की तरह नहीं था।

100 आपको इनमें से किसी दिन इस प्रकार की अंतरसंप्रदायो में से बाहर खदेड़ दिया जाएगा। ऐसा समय आएगा जब आपको किसी संस्था में शामिल होना होगा, या आप आराधना नहीं कर सकते है। जैसा कि आप जानते हैं, वचन कहता है कि ऐसा होगा। वे बस अब आपका उपहास उड़ाएंगे। लेकिन ऐसा समय आएगा जब बहिष्कार किया जाएगा, क्योंकि पशु की छाप को अवश्य ही आना है। आप को या तो कलीसियाओं के संघ में शामिल होना होगा, वो पशु जैसा कि रोम में है, या तो आप बिल्कुल आराधना नहीं कर पाएंगे। इसी प्रकार से वचन कहता है। यही है जब आप उसी प्रकार से चिल्ला उठेंगे जैसे कि यशायाह चिल्लाया था।

101 और वह नीचे मंदिर में गया, और तब उसे अहसास हुआ। उसने अपने हाथों को उठाया और उसने कहा, "हे प्रभु, मैं अशुद्ध होंठों वाला मनुष्य हूँ।" आप सोचते है कि आप अच्छे हैं, लेकिन समय आने तक रुके रहे। "मैं अशुद्ध होंठों वाले मनुष्यों के बीच में रहता हूँ।" वो क्या हो गया? वह व्याकुल हो गया।

102 और जब आप इस बात के लिए व्याकुल हो जाएंगे, कुछ तो बात जगह लेगी। आप उतने व्याकुल नहीं हुए है। "ओह, तो ठीक है, मैं कलीसिया में शामिल हो गया हूँ। बस यही सब कुछ है।" लेकिन आप को उस बात के लिए व्याकुल होना होगा। आप को वास्तव में परमेश्वर की आवश्यकता होनी चाहिए।

103 यीशु ने कहा, "धन्य हैं वे जो कि धार्मिकता के भूखे और प्यासे हैं, क्योंकि वे भर दिए जाएंगे।"

104 लेकिन जब तक आप संसार की चीजों से संतुष्ट हैं, परमेश्वर आप से भला कैसे बात कर सकता है? आप कहते हैं, "परमेश्वर ने मुझसे कभी भी बात नहीं की है।" क्यों? वो चाहता है। लेकिन आप संसार की चीजों से बहुत अधिक भरे हुए है। आज हमारे साथ यही मामला है। हम अपना सारा समय संसार की चीजों पर, और संसार की सुख विलास की चीजों पर लगाते हैं, और परमेश्वर को कोई समय नहीं देते हैं। यह सच बात है।

105 अब, हम यह पाते हैं कि यशायाह व्याकुल को उठा। और वह चिल्ला उठा, और अपने पापों को अंगीकार किया, और लोगों के पापों का अंगीकार

किया। जब वह अंगीकार कर चुका, उसने अपने ऊपर एक शोर को सुना। और जब उसने ऊपर देखा, वहाँ पर वे करुब थे, भवन में आगे और पीछे उड़ रहे थे। पंख उनके मुख पर थे, और पंख उनके पैरों के ऊपर थे, और पंखों से उड़ रहे थे, यह चिल्ला रहे थे, "पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान है।"

106 कुछ तो बात जगह ले रही थी। यशायाह व्याकुल हो उठा। परमेश्वर कार्य पर आ गया था। और यशायाह ने चिल्लाया, "मेरे होंठ अशुद्ध हैं," क्योंकि एक आवाज ने बस तभी बोला था। उसने उसे बदल दिया था।

107 "कौन हमारे लिए जाएगा?" आवाज ने कहा। "कौन जाएगा? कौन इन धर्मशास्त्र के ज्ञानीओं के झुण्ड के बीच बिचवाई में खडा होगा? इस दिन पर कौन जाएगा, और यह दावा करेगा कि मैं अब भी परमेश्वर हूँ? कौन जाकर और उनकी अशुद्धता को दोषी ठहराएगा? कौन उनकी संस्थाओं को फाड़ के गिरा देगा और जीवित परमेश्वर की सामर्थ को फिर से खडा करेगा? कौन जाएगा?"

108 यशायाह ने कहा, "प्रभु, इससे पहले कि मैं जाऊँ, मुझे बदलना होगा।" इनमें से कुछ डर और घबराहट को उसमें से छोड़ कर जाना था।

109 सो ऐसा ही उस हर एक व्यक्तिगत के साथ होगा जिसे परमेश्वर बुलाता है! आप को नया जन्म लेना होगा, बदलना होगा और नया बनना होगा। ना ही कोई कल्पना; लेकिन आपके हृदय से, कुछ तो ऐसी चीज जो वास्तव में जगह लेती है। और दूतो में से एक ने... "यदि तुम माँगोगे, तो तुम पाओगे।"

110 दूतों में से एक पीतल की वेदी के ऊपर गया, और चिमटों को लिया और वहां पहुँचकर और जलती हुई अग्नि के कोयले को लिया और यशायाह की ओर तेजी से गया और उसके मुंह में रख दिया। कहा, "अब तू शुद्ध है। जा, वचन को बोल।" उस आवाज को सुनने के बाद यशायाह बदल गया था।

111 फिर बहुत वर्षो बाद, उसने संपूर्ण बाईबल को लिखा। उसने उत्पत्ति से आरंभ किया और प्रकाशितवाक्य पर समाप्त किया। बाईबल में सड़सठ किताबें हैं; वहां यशायाह में सड़सठ अध्याय है। क्यों? क्योंकि वह व्याकुल हो उठा, एक ऐसे समय में जब उसने यह देखा कि ये बहुत आवश्यकता में है।

112 दानिय्येल, वहाँ बाबुल में था, जैसा कि हमने उसके विषय में पिछली रात्रि बात की थी। उसके हृदय में एक उद्देश्य था कि वह अपने आप को बाबुल की शिक्षाओं के साथ दूषित नहीं करेगा। लेकिन एक दिन वहाँ पर, दानिय्येल आवश्यकता में आ गया। और वह जानता था कि वो परमेश्वर की आवाज को सुनना चाहता था, फिर भी उसके पास वचन थे। लेकिन उसे परमेश्वर की आवाज को सुनना था। और वह वहां *किसी* नदी पर गया। और वह बस वहाँ ऐसे जाकर और अपने रथ को वहाँ पर खड़ा करके और सरकण्डो में घुटनों को नहीं टेका, और कहे, "प्रभु परमेश्वर, मैं आप से सुनना चाहता हूँ। आप कहाँ पर हैं? " नहीं। आप इस बात को इस तरह से नहीं करते है। यशायाह ने अपने रथ को लिया, और रथ के हांकनेवालो को लिया, और वहां नदी पर गया और उन्हें वापस भेज दिया। उसे वहाँ पर उसकी आवाज़ को तक रूकना था। यही वो तरीका है। वह उसके विषय में व्याकुल हों गया था।

113 उसे उन सभी सैनिकों से, और उन सभी खगोलविद्या वालो से, और बुद्धिमान मनुष्यों से, और धर्मशास्त्र के विद्वानों से, और इत्यादि मनुष्यों से पूरी तरह से दूर चले जाना था, जो कि उसे यह बताने को यत्न कर रहे थे, "यह! तुम *ऐसा* करो, दानिय्येल। दानिय्येल, तुम *ऐसा* करो।" लेकिन वो उन सभो से दूर चला गया। इसीं प्रकार से आप को करना है। और वह वहां नदी पर चला गया, और वह वहाँ पर ईक्कीस दिनों तक रूका रहा, प्रभु के दूत से युद्ध करता रहा।

114 लेकिन हमें बताया गया था कि उसने जल की ओर देखा। उसने वहाँ पर एक दूत को खड़ा देखा, उसके पैर को धरती पर और समुद्र पर रखे हुए। और उसने अपने हाथों को उठाया और उसकी शपथ खाई जो कि सदा जीवता है, "दानिय्येल ने जो बातें देखीं हैं, जब वे घटित होंगी, समय और अधिक न रहेगा।" देश की दुष्टता के कारण ईक्कीस दिनों तक उसको विलम्ब हुआ।

115 और यदि फारसी के दिनों में, देश की दुष्टता के कारण उसको ईक्कीस दिनों तक विलम्ब हुआ, तब वो इस दिन में क्या करेगा? उसे इस दिन कितने समय तक विलम्ब हो सकता है? लेकिन वह न मरनेवाला विश्वास, जो मनुष्य के हृदय में वह भूख और चाहत, जो कि परमेश्वर को ना नहीं कर सकती है, लेकिन तब तक थामे रहेगी जब तक कि परमेश्वर स्वर्ग से

नहीं बोलता है। इस सुसमाचार के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते है। इसके साथ खेला नहीं जाना है। इसको दस में से दस बार निशाने पर लगना है। इसको सिद्ध होना है, या तो यह ठीक नहीं है और यह कार्य नहीं करेगा। इसको सिद्ध होना है। दानिय्येल ने प्रार्थना की।

116 हम बाईबल में प्रेरितों के कार्य के लगभग 8वें अध्याय, 7वें या 8वें अध्याय में पाते हैं, कि एक छोटा सा स्वयं निर्मित फरीसी था जिसका नाम शाऊल था। ओह, वो एक धर्म शास्त्र ज्ञानी था, ठीक है। उसने गमलीएल से शिक्षा प्राप्त की थी, और उसके पास उस दिन के सारे वचन थे ठीक जिस तरह से होना चाहिए, उस दिन के धर्म शास्त्र ज्ञानी के अनुसार, ओह, वह स्वघोषित और स्वयं निर्मित था। और उसने लोगों को कुछ करते हुए देखा जो कि आत्मिक था, और उसका मनुष्य निर्मित धर्म शास्त्र ज्ञान उस बात से सहमत नहीं हो पाया था।

117 क्या ही आज के समान दिखता है! अपने हृदय में वह ईमानदार और सत्यनिष्ठ था, जिस प्रकार से बहुत से लोग होते हैं, वे सोचते हैं कि वे लोग जिन्होंने नया जन्म पाया है वे पागल है। वे सोचते हैं कि दिव्य चंगाई और पवित्र आत्मा की सामर्थ कुछ तो हैं जिसके विषय में वे *बातचीत* करते हैं, लेकिन यह सत्य है।

118 सो जब वह अपने दाश्मिक के रास्ते पर था, एक दिन, उसकी जेब में कलीसिया के बिशप से—से दिए गये कुछ आदेश थे, कि वो वहां जाकर और उन सभी पवित्र शोरशराबा करने वाले झुण्ड को नाश करे जो कि चीख और चिल्ला रहे थे, और—और ऊपर और नीचे कूद रहे थे और अंजन भाषा में बोल रहे थे, और—और बीमारों को चंगा कर रहे थे। "और, क्योंकि, यह एक शैतानों का झुण्ड है," धर्म शास्त्र ज्ञानीओं ने कहा। "वहां जाकर और उन्हें गिरफ्तार कर लो, और उन्हें यहां पर जंजीरों से बांध कर लेकर आओ!"

119 "निश्चित रूप से। बिशप, मैं आपकी सेवा में तत्पर हूँ!" ओह, मेरे परमेश्वर! ओह, वो एक महान व्यक्ति था। उसके पास डी.डी., पीएच.डी., की उपाधि थी, आप जानते है। सो वह अपने घोड़े पर कूद कर बैठ गया, और वह अपने साथ सैनिकों के झुण्ड को लेकर निकल पड़ा।

120 लेकिन अपने मार्ग पर, लगभग दोपहर के समय, किसी चीज ने उसे नीचे गिरा दिया। और वह मिट्टी में लुढ़क गया, जैसे एक पागल मनुष्य अपने

मुंह से झाग को निकालता है। और उसने एक आवाज को सुना जो कह रही थी, "शाऊल, शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?" यह क्या था? ना ही कोई धर्मशास्त्र... धर्म... धर्म शास्त्र ज्ञानी उससे बात कर रहा था। लेकिन स्वर्ग से एक आवाज थी, "तू मुझे क्यों सताता है?"

121 और वह मिट्टी में एक तरफ पलटा, और उसकी बोहें पूर्ण रूप से मिट्टी में सनी हुई थीं, और उसके गालों पर से शायद आंसु बह रहे थे। उसने कहा, "प्रभु, आप कौन है?" और जब उसने अपनी आँखों को झपकाया, वो उसी प्रकार से अंधा हो गया था जिस प्रकार से एक चमगादड़ होता है।

122 वहां पर उसके सामने आग का स्तंभ ठहरा हुआ था। और उसमें से एक आवाज आ रही थी, कहा, "मैं यीशु हूं, जिसे तू सताता है। तुम्हारी मनुष्य की बनाई हुई शिक्षा गलत है।" ये क्या था? वहाँ पर एक खुला हुआ दर्शन था। परमेश्वर का वचन वास्तविक बन गया था।

123 ओह, भाई, इसी चीज की, यही है जो हमें आज आवश्यकता है, ऐसे ही प्रकार की और बातों की।

124 मैं बस प्रभु का धन्यवाद करना चाहता हूँ। यह छोटी लड़कियां, जो पिछली रात्रि पहिए वाली कुर्सी में आईं थीं, आज चल रही हैं, और बिना पहिए वाली कुर्सी के, अतः वे चल रही हैं। हूं–हुंह। प्रभु आप को आशीष दे, लडकियों, जो वहां पर बैठी हुई हैं। एसा किसने किया? वही यीशु जिसने आलौकिक आवाज़ में वहाँ पहले बोला था, वह आज भी बोलता है।

125 "शाऊल, शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?" शाऊल एक बदला हुआ मनुष्य था।

126 और लोगों को आज बदलना होगा जब वे देख सकते है और जीवित परमेश्वर की आवाज को सुन सकते है उसी प्रकार से बोलने जैसे उसने बोला जब वो गलील में चला था। ओह, निश्चित रूप से!

127 "शाऊल, शाऊल, तू मुझे क्यों सताता हैं?" ऐसा किसने किया? क्या वो उसे धर्म विद्यालय को ले गया और उसे कुछ नया धर्म शासत्र ज्ञान सिखाया? नहीं, उसने ऐसा नहीं किया। उसने क्या किया? उसने उससे बात की, और उस बादल में से वास्तविक आवाज बोल रही थी। ये क्या था? वही परमेश्वर जिसने सिनय पर्वत पर गर्जना को किया था।

128 सभाओं में, उन स्थानों में जहां पर पवित्र आत्मा आता है, आप एक बदली हुई मनुष्य की आवाज को सुनते हैं। और मुश्किल से क ख ग

को भी न जानते है, लेकिन मसीह उसकी आवाज को ले सकता है और सर्वशक्तिमान परमेश्वर के रहस्यों को बोल सकता है। ये उस हर एक पुरूष और महिला को बदल देगा जो कि उसकी उपस्थिति में बैठा होता है... ? ... "मैंने एक आवाज सुनी," उसने कहा। ओह, हम इतनी गहरी नींद में हैं। मैं यह आशा करता हूँ ऐसा नहीं है कि इस बात को इससे अधिक स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है। लेकिन हम हमारी कलीसियाओं में, हमारे धर्म शास्त्र ज्ञान में, हमारी सोच में, और हमारे जीवन के तौर–तरीकों में इतनी गहरी नींद में होते हैं, कि हम उस आवाज को सुनने में चूक जाते हैं जब ये बोलती है।

129 "ओह," वे कहते हैं, "ये हो सकता हैं कि मस्तिष्क का पढ़ना हो। ये हो सकता है, आप जानते हैं कि ये *ऐसा, वैसा* या *इत्यादि* हो सकता है।"

130 क्या होता यदि मूसा ने कहा होता, "मान लो, सोचता हूं कि यदि उस झाड़ी में शैतान था? " हुंह! मूसा के पास कोई प्रश्न नही था, उसने आवाज को सुना था।

131 यदि आप कहते है, "ओह, हो सकता है कि यह बस मेरा विवेक होगा जो मुझे यह बता रहा था।"

132 यदि आप परमेश्वर की संतान हैं, आप जान जाएंगे कि यह उसकी आवाज है। "मेरी भेड़ मेरी आवाज़ को सुनती है। मेरी भेड़ मेरी आवाज़ को सुनती है।" वे जान जाएंगे।

133 एक और था, जिसका नाम पतरस था, जो बचाया गया था, और वह आत्मा से भी भर गया था। और वो फिर भी वह अपने पूर्वजो के रीति रिवाजों को थामें रहना चाहता था। जो भी कुछ वह जानता था, वे बातें वचन में होनी थीं। और एक दिन घर की छत के ऊपर, जब वो अपने रीति रिवाजों का पालन करना चाहता था, "नहीं माँस को... कोई माँस को न खाना, और सब्त और इत्यादि।" बहुत से अच्छे व्यक्ति होते हैं जो कि उस तरह की चीजों को अब ही थामें हुए रहते हैं।

134 और एक दिन जब कि वह घर की छत पर था, उसने एक आवाज को सुना जिसने कहा, "जिस चीज को मैंने शुद्ध कह दिया, उसे तू 'अशुद्ध' न बोल।"

135 परमेश्वर, मेरी यह इच्छा है कि वह यहाँ इस घाटी में प्रचारकों के झुण्ड को ले, और उन्हें यह जानने दे कि हम पागल नहीं हैं, हम पवित्र शोर–

शराबा करने वाले, कचरे का ढेर नहीं हैं। यह जीवते परमेश्वर की आत्मा है। और पुरूष और स्त्री उसकी अच्छाई के नशे में हैं। यह जादू–टोना या मस्तिष्क के विचारों का पढ़ना नहीं है। यह जीवते परमेश्वर की आत्मा है। प्राचीनों, अपने रीति–रिवाजों को छोड़ दो, और जीवते परमेश्वर की आवाज को सुनो। यह आपको बदल देगी। आप उन सतानेवालो में से एक नहीं बनना चाहोगे। आप उनमें से एक बनना चाहोगे। यदि आप अपने सारे मत सिद्धांतो के घेरे को पार कर सकते हैं, जब तक आप उसकी उपस्थिति में वहाँ पर तैरने नहीं लगते हैं, कुछ तो बात जगह लेगी। आप यह विश्वास नहीं करेंगे कि आश्चर्यकर्मो के दिन बीत गए। आप यह विश्वास करेंगे कि वे ठीक यहाँ पर हैं, क्योंकि एक को आप पर पूरा किया जाएगा, निश्चित रूप से, ताकि मनुष्य को बदल दे। यही है जो परमेश्वर की आवाज हमेशा ही करती है। यह पुरूषों और स्त्रीयों को बदलती है और उन्हें वैसा बनाती है जैसा कि उन्हें होना चहिए; ना ही वैसा जैसा कि विद्यालय और शिक्षकों ने बनाए हैं, लेकिन जैसे परमेश्वर ने उनके लिए नमूना बनाया है।

आवाज बोल रही है! "मैंने एक आवाज को सुना है।"

136 ओह, मैं व्यक्तिगत् अनुभवों में जाना चाहता हूँ। और आप में जितने पुरूषों और स्त्रीयों ने उसकी आवाज को सुना है, व्यक्तिगत गवाहीयों को देना आपको कितना अधिक प्रिय लगता है।

137 और मुझे याद है कि मैंने उसे वहाँ दूर केन्टकी की पहाड़ीयों में इसे सुना जब मैं एक छोटा लड़का था। और मैंने सोचा कि वह एक चिडिया है जो कि पेड़ पर बैठी हुई है, लेकिन वो चिड़िया उड़ गई। उसने कहा, "डरो मत, क्योंकि तुम्हे किसी दिन यहाँ से छोड़कर जाना होगा, और एक शहर में पास रहना होगा, जिसका नाम न्यू अलबेनी है।" मैंने उसकी आवाज को सुना जब उसने कहा, "धूम्रपान न करना, या शराब न पीना, अपने शरीर को स्त्रीयों से दूषित न करना और इत्यादि। जब तुम बड़े हो जाओगे तो तुम्हारे लिए करने को एक काम है।"

138 ओह, वो अब भी वही प्रभु परमेश्वर है। और एक घंटे के बाद दूसरे घंटे में, आप उसे सुन सकते हैं, आपसे उस छोटी सी कोठरी में, आपके प्रार्थना के कमरे में बात करती है। सभा के लोगो सामने आते हैं, फिर लोगों से प्रकट रूप से बात करती है। परमेश्वर की आवाज, शमूएल के दिनों में

ये बहूमूल्य थी। ये आज और अधिक बहुमूल्य नहीं है। क्योंकि, कोई खुला हुआ दर्शन नहीं था।

139 पतरस ने उसकी आवाज को सुना, और उसने उसके सारे धर्मशास्त्र के ज्ञान को बदल दिया। वो ठीक सीधे अन्य जातियों के पास चला गया, जिन्हें कि उसने सोचा था कि वे अशिक्षित ठुकराए हुए लोगों का झुण्ड हैं। लेकिन, परमेश्वर की आवाज, ना ही उसकी शिक्षा, जीवते परमेश्वर की आवाज ने उसे बदल दिया।

140 और अब बस एक और। एक समय, बाईबल में एक भला मनुष्य था। यीशु को एक व्यक्तिगत् रूप से जानता था, जो कि उससे प्रेम करता था, और उस पर विश्वास करता था, और उसकी आराधना करता था, और उसके साथ खेला करता था, और उसके साथ पहाड़ियों में जाया करता था, और नदी में उसके साथ मछली पकड़ने जाया करता था। वह एक भला मनुष्य था। एक दिन, जब यीशु जा चूका था, उसके कमरे में मृत्यु चुपके से आ गई।

141 और उसने उस पुराने परम्परागत कलीसिया को छोड़ दिया था, उस़ने और उसकी प्रिय बहने, मारथा और मरीयम ने छोड़ दिया था। और वे बाहर इसलिए आए थे क्योंकि वे उससे प्रेम करते थे, और उसका मसीहा होने का विश्वास करते थे। और ऐसा करने के द्वारा, कलीसिया ने तुरंत ही उनका कलीसिया से बहिष्कृत कर दिया था।

142 और यह युवा पुरुष इतना अधिक बीमार पड़ा कि उसकी मृत्यु हो गई, और चार दिनों से वह दफन था। उस समय पर धर्म शास्त्र ज्ञान की शिक्षा क्या भला कर सकती थी? तब उसकी कलीसिया क्या भला कर सकती थी? लेकिन परमेश्वर की आवाज धरती पर थी, और उसने लाजरस से बोला। और लाजरस, एक मनुष्य जो कि मर चुका था और कब्र में सड़ चुका था, उसने उसकी आवाज को सुना, और बाहर आ गया और फिर से जीने लगा।

143 मैं एक बार पाप और अपराधों में मर चुका था। आप पाप और अपराधों में मर चुके थे। लेकिन ये परमेश्वर की आवाज थी जिसने कहा, "हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेर पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दूंगा।"

144 मैंने आवाज को अपंग लोगों से बोलते हुए और उन्हें सीधा करते हुए देखा है। मैंने परमेश्वर की आवाज को अंधे से बोलते हुए और उसकी आंखों को खोलते हुए देखा है। मरते हुए लोगों से, कैन्सर से पीडीत लोगो से, कोढ़ी से, उन्हें वापस देह में आते हुए और फिर से अच्छे स्वास्थ्य में देखा है। मैंने उसे शराबियों से बोलते हुए, और पागलो से, और बाहर किए गए, और आवारा किस्म के झुण्ड से बोलते हुए देखा है, और वे फिर से सज्जन, पुरूष और स्त्रीयाँ, और जीवते परमेश्वर के संत बन जाते हैं, क्योंकि परमेश्वर की आवाज ने बोला है। आज इसी चीज को हम सुन रहे है।

145 मुझे इस बात को कहने के द्वारा इसे समाप्त करूंगा। एक ऐसा समय आएगा जब आपका भटकता हुआ प्राण आपके शरीर से ले लिया जाएगा, और वह कहीं तो अपने मंजिल पर होगा, कहीं अंधेरे में भटक रहा होगा, या तो परमेश्वर की गोद में होगा। वह आवाज फिर से बोलेगी। और बाईबल ने कहा, कि, "वे सभी जो कि कब्र में हैं उसकी आवाज को सुनेंगे, और वे बाहर आ जाएंगे। कुछ सनातन शर्मीन्दगी के लिए आ जायेंगे और कुछ और अपमानजनक होंगे। और दूसरे अनंतता की शान्ति और आनंद के लिए आगे आएंगे।

146 इस सुबह हो सकता है कि वह समय है कि आप मन को तैयार कर लें, कि क्या आप उस बात को सुनने जा रहे हैं जो कि टेलीविजन कहता है, या जो अखबार कहता है, या जो धर्म शास्त्र ज्ञानी कहते हैं, या जो परमेश्वर कहता है। आप लोगो को मुझे एक बात बताने दें। आप उस बात को न सुने कि कोई भी क्या कहता है, लेकिन उस बात को सुने जो परमेश्वर कहता है। उस छोटी सी, धीमी आवाज की प्रतीक्षा करें, और वह आपको बदल देगी।

147 आप कहते है, "भाई ब्रंहम, मैं विश्वास करना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि मैं विश्वास करूं। मैं चाहता हूँ कि मैं इन चीजो को करूं।" लेकिन आप नहीं कर सकते हैं। क्यों? आप बहुत देर तक शान्त नहीं रहते हैं। आप एक ऐसे स्थान पर नहीं पहुँचते है जहां पर वे—वे सारे संदेह जा चुके है।

148 जब आप उस स्थान में प्रवेश करते हैं जहां पर सारे संदेह समाप्त हो जाते हैं, तब फिर आप आजाद हो जाते है, और आप परमेश्वर की आवाज को बोलते हुए सुन सकते है। "मेरे बच्चे, मैं तेरा उद्धारकर्ता हूँ। मेरे बच्चे, मैं तेरा चंगा करने वाला हूं। तुझे इन चीजों को करने की आवश्यकता नहीं है।

मैं इसीलिए मरा जिससे कि तू आजाद हो सके। लेकिन जब तक तू इस कंपन में यहाँ पर है, सभी प्रकार की आवाजों की उलझन में है, बस उन सभी से दूर हट जाओ।"

149 यह मुझे एक समय की याद दिलाता है जब मैं एक बार पहाड़ियों में ऊपर था। और मैं उन अनुभवों को कभी भुला नहीं पाऊंगा। और यहाँ पर लगभग दस वर्ष पहले, या शायद ज्यादा समय हुआ होगा, मैं श्रीमान जैफरी की पशुओं को एकत्र करने में सहायता कर रहा था, और जब उनके पास घोड़ों के लिए नमक था। और मैं उनको किसी किसी स्थान पर ले जाता था जहां पर मैं उनको रख सकता था, जहां पर पशु जानते थे वहां पर आना है। रोजाना जीवन से बहुत दूर, लगभग सत्तर मील दूर। या, मेरा मतलब है, तीस मील दूर, पैंतीस, शायद चालीस मील दूर, क्रेमेंलिंग, कोलोराडो से, जहाँ आप एक ऐसे शहर में आ जाते हैं जिसकी आबादी लगभग सात या आठ सौ लोगों की थी। और मेरे पास मेरा घोड़ा था, और मैंने साथ में घोड़ो की लगी हुई बैगों को खाली कर दिया था। और हम देखते थे... पशुओं का दूरबीन के द्वारा खोजते थे। और मैंने अपने घोड़े को एक डाली से बाँध दिया था, और उसके पीछे एक गाडी लगी थी... जो घोड़ा था गट्ठर से लदा घोड़ा सामने था। और मैं पहाड़ों पर ऊपर गया। और वहाँ पर बहुत सुन्दरता थी। ये बसन्त ऋतु का समय था। और मैं घाटीयों के उस पार देख रहा था, पानी में छोटी लहरों को देख रहा था, जो कि दूरी पर थीं। और जब मैं उनको देख रहा था, दोपहर के मध्य का समय था, और मैंने कुछ ऐसी चीज देखी जिसने मुझे उत्तेजित कर दिया।

150 मैंने एक बूढ़ी माँ को, एक बूढ़ी उकाब चिड़िया को देखा जो कि अपने बच्चों को घोंसले से ले रही थी। और वह उनके चारों ओर उड़ती रही जबतक कि उसने उन्हें अपने पंखों पर न उठा लिया। और वे पहले घोंसले से बाहर निकाले गये थे। लेकिन वह उन्हें नीचे घाटी में ले गई। वे वहाँ नीचे इससे पहले कभी भी नहीं गए थे। वे बस उड़ना सीख रहे थे। अतः, उसने उन्हें नीचे छोड़ दिया। और वे आगे की ओर घास को उठाते हुए, और एक दूसरे के ऊपर लुढकने लगे, वे बस उतने ही बेफिक्र थे जितना कि वे हो सकते थे। और वहाँ पर बैठे हुए मैंने सोचा, "अब, क्या यह बस एक वास्तविक, विश्वास करने वाले मसीही के तरह झुण्ड नहीं है! वे बेफिक्र थे।" वे बेफिक्र क्यों थे? उन्हें किसी बात से डरने की आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि माँ ठीक वापस ऊपर की ओर आ गई थी, और उनकी देखभाल

करने के लिए एक चट्टान जाकर बैठी थी। ओह! इस बात से बस बदलाव आ जाता है।

151 जब आप यह सोचना आरंभ करते हैं, "यदि मुझे पवित्र आत्मा मिल जाता है तो *फलाना–और–फलाना* पास्टर क्या सोचेगा? *फलाना–और–फलाना* बिशप क्या कहेंगा?" मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि वे क्या कहते हैं।

152 यीशु मरा, और वह महिमा के परकोटे पर चढ़ गया, और वह स्वर्ग से ऊंचे स्वर्ग में बैठ जाता है। कोई भी चीज आप को परेशान नहीं कर सकती है। उसकी आंखे चिड़ियों पर रहती हैं, और मैं जानता हूँ कि वह मुझे देखता है, और वह आपको देखता है।

153 फिर जब कोई आता है, यदि कोई भेड़िया आता है, या इन छोटे बच्चों को परेशान करने के लिए कुछ चीज आती है, क्यों, वह... अच्छा होगा कि वे न करें। वो उस भेड़िये को अपने हाथों में उठा सकती है, अपने पंजो में, उसे लगभग हजारों फुट की उँचाई पर उठा कर ले जा जाती है और उसे वहाँ पर छोड़ देती है। वो हवा में ही टुकड़े–टुकड़े हो जाएगा। उन छोटे बच्चों को कोई भी चीज परेशान नहीं कर सकती है। वह इस बात को देखने जा रही है कि ऐसा ही हो।

154 कुछ भी चीज आप को परेशान नहीं कर सकती है। परमेश्वर को उसके वचन पर लेने में आप भयभीत न होना। बस निश्चिन्त हो जाएं, और विश्वास करें, और उसकी दृष्टि आपके ऊपर है। वह किसी भी चीज को टुकड़े–टुकड़े कर देगा जो आपको परेशान करने का यत्न करती है। ओह, ये हो सकता है कि आपके ऊपर आक्रमण करे, लेकिन वह आपको हानि नहीं पहुंचा सकती है "क्योंकि सब बातें," वह अनुमति देता है। ये कुछ भी और नहीं हो सकता, "क्योंकि जो प्रभु से प्रेम करते हैं, सब बातें मिलकर उनके लिए भलाई को उत्पन्न करती है।" आपकी कोई हानि नहीं हो सकती है।

155 और अतः, कछ समय के पश्चात एक तूफान आता है। और जब तूफान आरम्भ हुआ, वह बहुत तेजी से आया, वे पूर्वी हवाएं, बिजली की छोटी सी घड़घड़ाहट और साठ या सत्तर मील प्रति घंटे की रफ्तार से आँधी आना आरंभ हुई। और उस बूढ़ी माँ उकाब ने बहुत जोर से चिल्लाया, और घाटी में नीचे की ओर चली गई। और उस चिल्लाहट ने, इसने क्या किया? वे छोटे उकाब इस बात को जान गए कि यह उनकी माँ की आवाज है।

"मेरी भेड़े मेरी आवाज़ को जानती है," उसने कहा।

156 संकट आने वाला था। अब, उन्होंने लठ्ठो के नीचे जाने का यत्न नहीं किया। उन्होंने किसी प्रकार के कचड़े के ढेर के नीचे भागने की कोशिश नहीं की। उन्होंने बस माँ की प्रतीक्षा की।

157 यही है जो मसीही लोगों को करना चाहिए; देखो परमेश्वर उस बात के विषय में क्या करने जा रहा है।

158 और जब वो—वो बूढ़ी माँ जमीन पर उतरी, वे बड़े–बड़े पंजे *इस* तरह से थे, वह बस आकाश से नीचे आती हुई एक बहुत विशाल हवाई जहाज जैसे नीचे आती है। और उसने अपना सिर हवा की ओर घुमाया और वह चिल्लाई, और उसने उन बड़े पंखो को बाहर की ओर निकाला, जो एक छोर से दूसरे छोर तक लगभग चौदह फुट के थे, उतने चौडे *जितना* ये खंबा *उस* वाले खंबे तक है। वे सभी छोटे–छोटे उकाब उतनी ही तेजी से दौड़े जितनी तेजी से वे दौड़ सकते थे, और सीधे अपनी माँ के पंखो पर कूद पड़े। सीधे नीचे की ओर पहुंचे और अपने छोटे–छोटे पंजो से पकड़ लिया, अपनी छोटी सी चोंच से उन मजबूत पंखो में से एक पंख को पकड लिया। माँ ने उन्हें बस उठा लिया, बिना उन पंखों को फड़फड़ाए, और उस तेज हवा में ऊपर उड़ गई। वो ठीक उन चट्टानों में उन्हें उस आने वाले तूफान से बचाने के लिए गई।

159 ओह, भाई, तूफान बहुत ही नजदीक है। उसकी आवाज सुनो। ये आपको बुला रही है, "बाबुल से बाहर आ जाओ। अलग हो जाओ। उनके पापों में, उसके भागीदार न बनो। मैं तुम्हें ग्रहण कर लूंगा। तुम मेरे लिए पुत्र और पुत्रीयाँ होंगे। मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊँगा।"

आईए हम अपने सिरों को बस कुछ क्षण के लिए झुकाएं, समाप्त करते हुए। [कोई भविष्यवाणी करता है—सम्पा।]

160 आमीन। आपने यह सुना। यही वह चीज है जिसको कि हम कलीसिया के लिए भविष्यवाणी कहते है।

161 क्या आज सुबह कोई यहाँ पर होंगे, जो मैं जानता हूं कि वहां हैं, जो कि यह कहेंगे, "प्रभु परमेश्वर, मुझ पर दया कर। भले ही मैं कलीसिया में शामिल हो गया हूँ, मैंने अंगीकार किया है, लेकिन मैं—मैं इस बात को नहीं जानता हूँ कि आपके सामने शान्त रहना है, और आपकी आवाज को सुनना है, जी मेरी अगुवाई करती है और मुझे शिक्षा देती है। मैं यह नहीं जानता हूँ

कि मुझे क्या करना चाहिए यदि आप मुझसे एक सुनाई देने योग्य आवाज में बात करते हैं। आपको जानना मुझे प्रिय लगेगा, सो आप मुझसे बात कर सकें और मेरे पथ में मेरी अगुवाई कर सके"? क्या आप अपने हाथों को बस अभी उठाकर और कहेंगे, "परमेश्वर, दया करना"? सभी जगह, प्रभु आप को आशीष दे, सभी जगह हाथ हैं। बस उन्हें ऊपर उठाते रहें। यह ठीक बात है। "प्रभु, मुझ पर दया करें। मुझे आपकी बहुत आवश्यकता है।" क्या बंद करने से ठीक पहले कुछ और होंगे? महिला, वहाँ पीछे परमेश्वर आपके हाथ को देखता है, और आप सभी जो कि वहाँ बहुत पीछे की ओर हैं, और पंक्तियों और इत्यादि में खड़े हुए हैं। परमेश्वर आपको देखता है, यहाँ तक मंच पर भी, यहाँ ऊपर चारों ओर।

और शमूएल ने कहा, "एली, क्या तूने मुझे बुलाया? "

एली ने कहा, "नहीं, मेरे पुत्र, मैंने तुम्हें कभी नहीं बुलाया।"

162 मित्र, यह मैं नहीं था जिसने आपके हृदय से बात की है। यह परमेश्वर था। बस उससे वापस बात करें और कहें, "तेरा दास सुनता है। और आज मुझे अपनी पनाह में ले ले, परमेश्वर। आज के दिन से मैं पूर्ण रूप से आपका बनने पाऊँ।"

163 अनंत परमेश्वर, प्राण से प्रेम करने वाले, और सारी चीजों के सृष्टिकर्ता, जबकि वह छोटी धीमी परमेश्वर की आवाज जिसने शमूएल से बात की, जिसने शाऊल से बात की, जिसने पतरस से बात की, जिसने दानिय्येल से बात की, और यशायाह भविष्यव्यक्ता से बात की, और सभी युगों में बोलती आई है, उसने फिर से आज सुबह इस आराधनालय में बोला है। शायद तीस, या चालीस, या हो सकता है कि पचास हाथ उठे है, पापीयो के और कलीसिया के सदस्यों के, और ऐसे लोगों के जो हतोत्साहित हैं, इन्होने अपने हाथो को उठाया है। उन में से बहुत से लोग पिछली रात्रि आए थे, और उन्होंने उस आवाज को सुना है जो सुनने योग्य आवाज़ थी। और अब, आज सुबह, वही आवाज उनके हृदय की गहराई में बोलती है। उन्होंने अपने हाथों को उठाया है, अपने हाथों को आकाश की ओर उठाए हुए, वे कह रहे हैं कि वे गलत हैं, और वे सही होना चाहते हैं।

164 आपने अपने वचन में कहा है कि, "कोई भी मेरे पास तब तक नहीं आ सकता है, जब तक कि मेरा स्वर्गीय पिता ही उसे न खींच लाए। और

वे सारे जो आएंगे, मैं उन्हें अनंत जीवन दूंगा। और उसे अंतिम दिन जिला उठाऊँगा।"

165 पिता, आपने इसकी प्रतिज्ञा की है। अब हम आपको आपके दास के नाई में पुकारते हैं, कि आप उन्हें जिन्होंने अपने हाथों को उठाया है, अनंत जीवन और अनंत आनंद दे। और होने पाए कि वे अपने संपूर्ण जीवन भर आप के लिए जीएं। और जीवन के सफर में मार्ग के अन्त पर, प्रभु के आनंद में प्रवेश करें। पिता, इसे प्रदान करें। हम यह यीशु के नाम में और यीशु के लिए माँगते हैं। आमीन।

166 आपमें से कितने उससे अपने संपूर्ण हृदय से प्रेम करते हैं, बस अपने संपूर्ण हृदय से? अब, इस तरह के छोटे स्थानों में... मुझे अब देर हो गई है। लेकिन बाईबल ने कहा, कि, "हम मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों बैठे है।" पवित्र आत्मा आता है, वचन में प्रवेश करता है, सभा के लोगो में से होकर विचरण करता है, और आप उसे बस देख सकते हैं जब ये उनके ऊपर विचरण करता है, उन्हें बदलते हुए।

167 जैसा मैंने कहा, मैं भावनाओं में विश्वास करता हूँ। निश्चित रूप से। लेकिन, आप, क्या... देखो, भावनाएं आप को नहीं बदलती हैं। भावनाओं को ठीक अन्दर जाना है जब तक कि ये आपके आस्तित्व की नैतिकताओं को छू नहीं लेती है। यही है जो आपको बदल देता है पापमय से...

168 एक पापी क्या होता है? अविश्वासी। आज बहुत से ऐसे लोग हैं जिनके पास एक—एक बैचलर आफ आर्ट की उपाधी है, जिनके पास डॉक्टर की उपाधि है, जिनके पास पीएच.डी., और उनके नाम पर दुगने एल.डी. की उपाधियां हैं, और वे फिर भी पापी है। वे बाईबल को उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक जानते हैं, पुलपिट पर प्रचार करते है, और फिर भी अवि... अविश्वासी है। बाईबल ने ऐसा कहा है, "वह जो विश्वास नहीं करता है, वह पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है।"

169 उन लोगों में से एक से पूछें कि क्या वे विश्वास करते है कि पवित्र आत्मा आज के लिए है। "क्यों, निश्चित रूप से नहीं।" क्या आप विश्वास करते हैं कि दिव्य चंगाई होती है? "क्यों, निश्चित रूप से नहीं।" तब वह अविश्वासी है। यह ठीक बात है। यदि पवित्र आत्मा आपके अन्दर है, क्या वो अपने वचन की गवाही नहीं देगा? और यदि आपके अन्दर का आत्मा उस बात के विरूद्ध गवाही देता है जो परमेश्वर कहता है कि सत्य बात है,

तो ये मसीह का आत्मा नहीं है। हो सकता है कि आप मसीह की कलीसिया से संबन्ध रखते हों, लेकिन आप मसीह के नहीं होते है जब तक आपका आत्मा उस हर एक प्रतिज्ञा के लिए "आमीन" नहीं कहता है जो परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की हैं। और जब उसने यह प्रतिज्ञा की...

170 पतरस ने पेंटीकोस्ट के दिन कहा, उसने कहा, "पश्चाताप करो, और तुम में से हर एक अपने पापो की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले, तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।" और यदि आप का आत्मा कहता है कि यह किसी और दिन के लिए था... वचन क्या कहता है? "क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम्हारे लिए है," यहूदी, "और तुम्हारे बच्चों के लिए है, और उन सभी के लिए जो कि आगे आने वाले हैं," अन्य–जातियों के लिए, "यहाँ तक जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।" वही प्रतिज्ञा।

171 उसने कहा, "मैं दांखलता हूँ, तुम वो डालियां हो।" और यदि यह उस डाली की शिक्षा है, पहली डाली की, दूसरी डाली की वही शिक्षा होनी है। और यही शिक्षा उसी प्रकार के परिणामों को लेकर आएगी। और जैसे–जैसे हर एक डाली दाखलता पर आती है, ये उसी बात को उत्पन्न करेगी। मैं खुश हूँ, मैं बहुत अधिक खुश हूं कि मैं जानता हूं कि परमेश्वर का आत्मा अभी भी बोलता है और लोगों से बात करता है, और अपने वचन की पुष्टि करता है।

172 हम बस कुछ ही क्षणों में बपतिस्में की सभा करने जा रहे है। यदि आप का छिड़काव हुआ है, आप के ऊपर जल उड़ेला गया है, या आप को प्रभु यीशु मसीह के नाम के अलावा किसी और तरीके से डुबाया गया है, आप को पानी में आने की ललकार है।

173 और अब आप कहते है, "भाई ब्रंहम, आप का यह मुझे बताने का यह मतलब है? " जी हाँ, भाई।

174 छिड़काव के विषय में बाईबल में कहीं पर नहीं कहा गया है। बाईबल में कोई स्थान नहीं है जहाँ पर किसी का कभी छिड़काव हुआ हो। अब इस बात को याद रखे। मैंने इस प्रश्न को इस मंच से किया है, सारे सप्ताह भर। मुझे बाईबल में एक भी व्यक्ति को निकाल कर दिखाये जिसका कि पापों की क्षमा के लिए छिड़काव किया गया हो, जिस पर पापों की क्षमा के लिए जल उड़ेला गया हो, या जिसको कभी पापों की क्षमा के लिए "पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा" के नाम में डुबाया गया हो। वहां कभी भी किसी भी व्यक्ति

का छिड़काव, जल उड़ेला जाना या "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," के नाम में संपूर्ण बाईबल में बपतिस्मा नहीं दिया गया है। नहीं, श्रीमान। उनको दिया गया...

175 एक समय वहां कुछ लोगों को यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के द्वारा बपतिस्मा दिया था, और उनका बपतिस्मा किसी भी नाम में नहीं हुआ था, और उनका बपतिस्मा उसी व्यक्ति के द्वारा हुआ था जिसने यीशु को बपतिस्मा दिया था। लेकिन पौलूस, जब उनसे प्रेरितों के कार्य 19 में मिला था, उसने उनको बताया कि उनको आकर और फिर से बपतिस्मा लेना है और यीशु मसीह के नाम में, या तो वे अभी तक पवित्र आत्मा को प्राप्त नहीं कर सकेगे।

176 जब पतरस ने कुछ लोगो को पाया जिनको कि पवित्र आत्मा मिल चुका था इससे पहले कि उनका बपतिस्मा हुआ था, उसने उन्हें आज्ञा दी और वह उनके साथ रूका रहा जब तक कि उनका बपतिस्मा यीशु मसीह के नाम में नही हो गया। मित्र, यह सत्य बात है।

177 मैं जानता हूँ कि बहुत से लोग कहते है, "अब, भाई ब्रंहम केवल यीशु वाले हैं।" यह गलत है।

178 मैं केवल वचनों में विश्वास करता हूँ। मेरा संबंध किसी भी संप्रदायों से नहीं है। और केवल यीशु वाले लोग किसी भी तरह उस प्रकार से बपतिस्मा नहीं देते है। वे बस "यीशु" के नाम में बपतिस्मा देते है। बाईबल ने कहा, "प्रभु यीशु मसीह।" बहुत से यीशु हैं, लेकिन केवल एक ही प्रभु यीशु मसीह है। समझें? देखा? मसीह ही मसीहा है। समझे? और यह ठीक बात है।

179 और अब, मित्रों, अब, आप जो कि यहां पर इस सुबह उपस्थित हैं, आप का कभी भी उस प्रकार से बपतिस्मा नहीं हुआ है, होने पाए कि परमेश्वर की वह छोटी सी आवाज आपके प्राण की गहराई में बोले। और इस बात की परवाह न करते हुए कि बिशप, कलीसिया, या कोई भी और क्या भी कहता हो, आकर और प्रभु की आज्ञा माने, यह मेरी आपके लिए आज्ञा है।

180 अब, भाई नेविल *इस* कमरे में बपतिस्में की सभा की तैयारी करने के लिए जाएंगे। और वे जो चीजों को तैयार कर रहे है—है, कुछ प्राचीन मेरे साथ आएं। बस एक मिनट में, मैं आप के साथ वहाँ अन्दर होऊँगा।

181 लेकिन मैं चाहता हूँ कि वे लोग जो अब आ रहे है, जब हम यह गीत गाने जा रहे हैं, "मैं अपने उद्धारकर्ता को बुलाते हुए सुन सकता हूँ।" "मैं उसके साथ जाऊंगा। किसी कलीसिया की परवाह न करते हुए, मैं उसके साथ जाऊँगा। इस बात की परवाह न करते हुए कि कोई क्या कहता है, मैं उसके साथ पूरे रास्ते भर जाऊँगा।" वे—वे पुरूष *इस* कमरे की ओर जाएं, और महिलाएं *इस* वाले कमरे की ओर जाए, जब हम अब गीत को गाते हैं। फिर हम औपचारिक रूप से बस अब कुछ ही समय में समाप्त करेंगे। तो ठीक है। अब सभी एक साथ।

मैं अपने उद्धारकर्ता को बुलाते हुए सुन सकता हूँ,

182 अब, पुरूष *इधर* जाएं, और महिलायें *उधर* जाएं।

... मेरे उद्धारकर्ता...

कृपया इन महिलाओ के साथ में कुछ महिलाये *इधर* जाएं।

मैं अपने उद्धारकर्ता को सुन सकता हूं...

आप क्या सुना? उसकी आवाज को।

"मेरे क्रूस को ले, और मेरा अनुकरण कर, मेरा अनुकरण कर।"

जहां वो... (अब क्या आप वास्तव में इस प्रकार से विश्वास करते हैं?)... मैं उसका अनुकरण करूंगा,
जहाँ पर वो मेरी अगुवाई करेगा मैं उसका अनुकरण करूंगा,
जहाँ पर वह मेरी अगुवाई करेगा मैं उसका अनुकरण करूंगा,
मैं उसके जाऊंगा, उसके साथ सारे रास्ते भर जाऊंगा।

183 अब, जब मैं इसे कह रह रहा हूं, मित्र, मैंने एक आवाज को सुना। और यदि इस आवाज ने परमेश्वर की आवाज के अनुसार नहीं बोला है, *यहाँ*, तो ये गलत आवाज है। लेकिन, "मेरी भेड़ मेरी आवाज़ को जानती है।"

184 आप कैसे आ सकते हैं? आने का कारण यह है। यह इसलिए है, "आपका नाम मेमने की जीवन की किताब में जगत की नींव डालने से पहले डाला गया था।" बाईबल ऐसा कहती है। उस व्यक्ति के विषय में सोचें जो बैठा हुआ है और यह जानता है कि यह बात सुसमाचार की सच्चाई

है, और फिर भी कोई तो बात उन्हें रोके हुए है, यह जानते हुए कि शायद उनका नाम नहीं डाला गया था। तब क्या होगा?

"वे मेरी व्यर्थ में आराधना करते है।" समझे, "व्यर्थ में।"

185 "ओह," आप कहते हैं, "मैं एक निष्ठावान मनुष्य हूँ। मैं एक निष्ठावान हूँ... " इस बात का उससे कुछ भी लेना देना नहीं है।

186 "वे मेरी व्यर्थ में आराधना करते है, मनुष्यों की आज्ञाओं की सिद्धांत के लिए शिक्षा देना।"

187 मैंने आपको बताया है, किसी का भी छिड़काव करके, जल डालकर, या बप्तिस्मा, "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" के नाम में बाईबल में नहीं किया गया है। इस बात को ढूढ़ें। इस बात का पता लगाएं। यदि ऐसा है, तो आकर और मुझे आज रात मंच पर आकर दिखाएं। तब, यदि आपने उस प्रकार से किया है, आप मनुष्यों के रीति रिवाजों का अनुकरण कर रहे हैं।

188 और यदि कोई आपको बताता है, "अच्छा, आप आकर और अपने अंगीकार को करें, तब आप पवित्र आत्मा को पा लेंगे। यह गलत है। यह मनुष्य की बनाई गई शिक्षा है।

189 वहां एक झूठा पानी का बपतिस्मा है। वहां एक झूठा पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है। शैतान इसकी नकल कर सकता है क्योंकि वह धर्मी है। कैन, उसका पिता, धर्मी था, जैसे कि इस बात का हमने अध्ययन किया है। सर्प का वंश अभी भी जारी है। और स्त्री का बीज, मसीह में से होते हुए जारी है।

"लेकिन, कोई भी मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता है जब तक मेरा स्वर्गीय पिता उसे न खींच लाए।"

190 आज सुबह अब कुछ लोग इस पर सोचे जो यहाँ बैठे हुए है, जो जानते हैं कि आपका गलत ढंग से बपतिस्मा हुआ है, मनुष्य में मत–सिद्धांत में हुआ है, और ना ही बाईबल के अनुसार हुआ है, और आपके अंगीकार का पहला जन्म गलत है। आप भला कैसे कभी सही हो सकते हैं जब तक कि आप वापस न जाकर और ठीक तरह से आरंभ नहीं करते? आप को स्मरण है, इस सप्ताह, मैंने प्रचार किया था: *ऐसा आरंभ से नहीं था।*

191 अब, यदि आप उस आवाज को आपसे बोलते हुए सुन सकते हैं, यही परमेश्वर है, क्योंकि ये वचन से मेल खाता है। यदि वैसा नहीं है,

तब वहां किसी प्रकार की झूठी आवाज है जो आपसे बात कर रही है। लेकिन सही आवाज आपको बाईबल के नियमों का पालन करना बताएगी; ना ही कोई छिड़काव करना, ना ही कोई उंडेला जाना, ना ही गलत ढंग से। सीधे सही–सही बाहर की ओर आ जाएं और बाईबल के नियमों का पालन करें।

192 मित्रों, इसे करें, यदि इस बात को करने में सब कुछ चला जाए। मैं इसकी परवाह नही करता कि इसका क्या मूल्य चुकाना पड़े, मैं प्रभु यीशु का अनुकरण करने के लिए हर एक चीज को एक तरफ रख दूंगा।

193 "मेरी आवाज सुनो। मेरी भेड़ सुनेगी, और वह मेरे पास आएगी। और वे सारे जो मेरे पास आएंगे, मैं उन्हें सनातन का जीवन दूंगा, और उन्हें अंतिम दिन फिर से जिला उठाऊँगा।" क्या यह सही है?

194 यहां पर है ये, ठीक वचन के साथ मिलती है। कोई भी इस बात को गलत नहीं ठहरा सकता है। यह सच बात है। कोई भी इसे गलत नहीं ठहरा सकता है। यहाँ है ये, पवित्र आत्मा की सामर्थ में है, उन्हीं कार्यों को करते हुए जो यीशु ने किये थे, वो *यहां* है, तस्वीर में, वही अग्नि का स्तंभ, आगे बढ़ रहा है, वही फल, वही आत्मा, वही भावनाएं, वही कार्य, वही चिन्ह, वही आश्चर्यकर्म है। वहां आप हैं। आज सुबह परमेश्वर की आवाज को सुने।

और उस आवाज ने कहा, "शमूएल।"

195 कहा, "हाँ, प्रभु। हाँ, प्रभु। मैं यहां पर हूं। यहां पर आपका दास है। यहां पर आपका दास है। मैं अनुकरण करूंगा।"

परमेश्वर उस महिला को आशीष दे। "मैं... "

196 आप कहते हैं, "भाई ब्रंहम, आप उस बात को बहुत ज्यादा प्रभावशाली बना रहे हैं।" मेरा मतलब उसे प्रभावशाली बनाना है। यह जीवन और मृत्यु के बीच की बात है, अतः मुझे अवश्य ही इसे प्रभावशाली बनाना होगा। प्रभु आप के साथ हो, यह सत्यनिष्ठा से मेरी प्रार्थना है।

197 अब, इससे पहले कि वे इस भवन के फर्नीचर को यहां पर लाएं, ताकि वे कर सकें... ताकि आप पानी के बपतिस्में को देख सकें। यह स्थान हर समय खुला हुआ रहता है। मैं ठीक सीधे वचनों में से कुछ पढ़ना चाहता हूं, ताकि आप यह देख सकें कि मैं—मैं पढ़ रहा हूं।

198 यीशु मसीह ने संत मत्ती के 16वें अध्याय में, मेरा विश्वास है, पतरस को बताया, "मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियां देता हूं। जो भी तू पृथ्वी पर बांधेगा, मैं स्वर्ग में बांधूगा; जो भी तू पृथ्वी पर खोलेगा, मैं स्वर्ग में खोल दूंगा।" आप सभी इस बात को जानते है?

199 पेंटीकोस्ट के दिन, जब स्वर्ग का राज्य अपनी संपूर्ण सामर्थ के साथ आया था, क्या आप इसे विश्वास करते हैं? पतरस, खड़ा हुआ था। अब, जब यीशु मरे हुओं में से जी उठा, उसके पास स्वर्ग के राज्य की कुंजियां नहीं थीं। क्या यह सही है? ["आमीन।"] उसके पास मृत्यु और अद्योलोक की कुंजियां थीं, राज्य की कृजियां नहीं थीं। और यहां पर उसने यह कहा जब वह प्रचार कर रहा था और वे उन बातों को सुन रहे थे, और अपने हृदयों को कठोर कर लिया था। यहां ये बिल्कुल ठीक वही बात है जो पतरस ने कहा।

200 अब ध्यान से सुने जब कि मैं वचनों को पढ़ता हूं, ताकि आप समझ जाएं। प्रेरितों के कार्य, 2रा अध्याय। याद रखना। आप में कितने इस संदेश को सुनने के लिए यहां पर थे, *ये आरंभ से ऐसा नहीं था*? आइए हम वापस आरंभ में चलें और यह देखें कि बपतिस्मा, बपतिस्मा देना वास्तव में क्या होता है। हमारा बपतिस्मा किस प्रकार से होना चाहिए? छिड़काव, जल का उड़ेला जाना, या "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" के नाम में होना चाहिए?

201 याद रहे, मैंने किसी भी सेवक को, किसी भी बिशप को, या किसी को भी जो कहीं पर, किसी भी समय पर क्यों न हो, चुनौती दी है, कि मुझे एक वचन के लेख को दिखाए जहां पर किसी भी व्यक्ति का कभी "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" के नाम में छिड़काव किया गया हो, जल उड़ेला गया हो, या बपतिस्मा दिया गया हो। यह खुला हुआ है। यह बात वचनो में नही है। नहीं।

202 यह एक झूठ है, बनाई गई शिक्षा है, जिसे कैथोलिक कलीसिया के द्वारा आरंभ किया गया। छिड़काव करने को कैथोलिक कलीसिया ने आरंभ किया, लगभग अंतिम चेले की मृत्यु के छह सौ वर्ष के बाद। "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" को उसी समय अनुकुलित किया गया, क्योंकि कैथोलिक लोग भिन्न–भिन्न ईश्वरों की आराधना करते थे, और उन्होंने परमेश्वर के

कार्य करने के स्थानो में से त्रिएकता को बनाया। ना ही तीन परमेश्वर; पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा। यह मूर्तिपूजा है।

203 एक ही परमेश्वर है। "तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।" "हे इस्राएल सुन, मैं ही प्रभु तेरा परमेश्वर हूं, एक परमेश्वर।"

204 यहूदियों ने हमसे पूछा, "तुम्हारा परमेश्वर कौन सा है; पिता, पुत्र, या पवित्र आत्मा? "

205 वहां बस उनमें से एक ही है। यह तीन कार्य करने के स्थान हैं जिसमें कि एक ही परमेश्वर ने कार्य किया है, अपने आप को प्रगट करते हुए।

206 पहला, पिता में, जिसको कि छुआ नहीं जा सकता था। वहां ऊपर पहाड़ पर था; यहां तक कि गाय या कोई जानवर उस पहाड़ को छू लेगा, उसे मरना होता था।

207 तब फिर वह नीचे आया, क्योंकि वह उसकी आराधना को चाहता था। वह मनुष्य के नजदीक आ गया, क्योंकि वह मनुष्य का पुत्र बन गया। परमेश्वर उसके अन्दर था।

208 और जब उसने ऐसा किया, फिर उसने कहा, "थोड़ी देर रह गई है कि संसार मुझे न देख पाएगा। फिर भी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं," एक व्यक्तिगत् सर्वनाम, "मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, यहाँ तक संसार के अंत तक तुम्हारे अंदर रहूंगा।" कहा, "मैं परमेश्वर के पास से आया हूं।" क्या? अग्नि का स्तंभ। "मैं वापस परमेश्वर के पास जाता हूं।" वो गया? वो गया। और फिर जब उसने यह किया, वह वापस परमेश्वर के पास चला गया।

209 तब हम आज सुबह अपने विषय में पाते हैं कि पौलूस दमिश्क की राह पर जा रहा था। और परमेश्वर ने पौलूस को रास्ते पर जाते पाया। और उसने उसे नीचे गिरा दिया। और जब पौलूस ने ऊपर की ओर देखा, तो वो क्या था? फिर से अग्नि का खंबा बन गया था, एक प्रकाश जिसने उसकी आंखों को अंधा कर दिया।

210 देखिए जब यीशु इस धरती पर था तो उसने क्या किया था, और स्त्री को उसके पापों के विषय में बताया कि उसने इन सब चीजों को किया था। और कहा, "मैं कुछ भी नहीं करता जब तक कि मेरा पिता पहले मुझे उसे नहीं दिखाता है।"

211 उन्होंने उससे पूछा, कहा, "तू क्यों वहां पर जाकर और वहां उन लोगों को चंगा नहीं करता? " वह एक बड़ी भीड़ के पास से गुजरा जहां पर लंगड़े, अशुद्ध, अंधे और शिथिल लोग थे। उसने एक व्यक्ति को चंगा किया जिसको कि प्रोस्टेट का रोग या कुछ इसी प्रकार से था, खाट पर लेटा हुआ था। कहा, "तू उन सारे झुण्ड को चंगा क्यों नहीं कर देता है? "

212 उसने कहा, "मैं तुमसे सच सच... " अब संत यूहन्ना 5:19, "मैं तुम से सच, सच कहता हूं पुत्र अपने आप से कुछ भी नहीं कर सकता है; लेकिन वह जिस प्रकार से पिता को करते हुए देखता है, उसी प्रकार से पुत्र करता है।"

213 वह यहां पर अंतिम दिनों में फिर से आया है। वैज्ञानिक संसार इसे आरोप नहीं लगा सकता है। कलीसिया इसे आरोप नहीं लगा सकती है। ये यहां पर है, सीधे कलीसिया में वापस आकर और उन्हीं कार्यों को कर रहा है। वही आत्मा! परमेश्वर उन लोगों को चाहता है जो उसकी आराधना आत्मा और सच्चाई के साथ करते हैं। वह यहां पर है।

214 यहाँ पर है जो पतरस ने प्रचार करते हुए पेंटीकोस्ट के दिन उसने कहा।

> *इस यीशु को परमेश्वर ने जिलाया,* जहाँ... जिस के हम सब *गवाह* हैं। (क्या हम गवाह है?)
>
> इस प्रकार *से परमेश्वर के दहिने हाथ से सर्वोच्च पद पाकर,... और पिता से वह पवित्र आत्मा प्राप्त करके जिस की प्रतिज्ञा करी गई, उसने सह उंडेल दिया है जो तुम देखते और सुनते हो।*
>
> *क्योंकि दाऊद तो स्वर्ग पर नहीं चढा; परन्तु वह आप* कहता *है, कि प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा; मेरे दहिने बैठ,*
>
> *जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पावों तले की चौकी न कर दूं।*
>
> *सो अब इस्राएल का सारा घराना निश्चय जान ले, कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।*
>
> *अब जब उन्होंने यह सुना,* (वह धार्मिक लोग थे) *जब उन्होंने इसे सुना, तो उनके दिल में छिद गए, तब सुनने वालों के हृदय*

छिद गए, और वे पतरस और शेष प्रेरितों से पूछने लगे, कि हे भाईयों, हम क्या करें?

215 क्या हम बस जाकर और अच्छे बने रहें? नहीं, नहीं। देखें, पतरस, अब तुम्हारे पास राज्य की कुजियां हैं। "तुम जो उन्हें बताते हो," परमेश्वर ने कहा, "जब तू पृथ्वी पर बांधेगा तब मैं उसे स्वर्ग पर बांधूंगा।"

पतरस ने उनसे कहा, पश्चाताप करो, और तुम से हर एक *अपने अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से* बपतिस्मा *ले, और* तुम *पवित्र आत्मा के दान को पाओगे।*

क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों के लिए, और उन *सब दूर दूर के लोगों के लिए भी है जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा।*

216 एक और वचन। उस के बत्तीस वर्ष बाद, पौलूस ने यहां 19वें अध्याय में।

पौलूस ऊपर के सारे देश से होकर में आया... इफिसुस के: उसने *कई चेलों को देखकर,*

और उन से उनसे कहा, क्या तुम ने पवित्र आत्मा को पाया जब से तुमने *विश्वास किया?*

217 बैपटिस्टों, यह बात आपके अंदर गहराई में उतरने दें। "क्या तुम ने पवित्र आत्मा को पाया जब से तुमने विश्वास किया? " यह एक जन्म है, अंगीकार करना नहीं है।

... हमने नहीं जानते *कि कोई पवित्र आत्मा भी है।*

और उसने कहा... तो फिर *तुम ने किस का... बपतिस्मा लिया?* उनका *बपतिस्मा यूहन्ना का बपतिस्मा* था...

पौलूस ने उन से कहा, *यूहन्ना ने यह* कहकर *मन फिराव का... बपतिस्मा दिया* (पापों की क्षमा के लिए नहीं), *मन फिराव* का, *कहते हुए... कि* जो मेरे बाद *आनेवाला है, उस पर अर्थात...* यीशु मसीह *पर विश्वास करना।*

और *उन्होंने यह सुना, उन्होंने प्रभु यीशु* मसीह *के नाम का बपतिस्मा लिया।*

... और *पौलूस ने उन पर हाथ रखे,* और *उन पर पवित्र आत्मा उतरा; और वे भिन्न भिन्न भाषा बोलने लगे और* परमेश्वर को ऊँचा उठाया।

218 अब मैं आपको ले जाऊंगा, पौलूस अपनी पत्री को समाप्त कर रहा है, गलतीयों 1:8।

... *परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी, उस सुसमाचार को छोड़ जो हम ने तुमको सुनाया है,* जो आप सुन चुके है *कोई और सुसमाचार* तुम्हे *सुनाए,* तो शापित हो।

219 हो सकता है कि आप को कुरिन्थियों 14वें अध्याय और उसकी 38वे पद को ले जाऊं, जहां पर इसने कहा।

यदि कोई मनुष्य अपने आप को भविष्यवक्ता या आत्मिक जन समझे, *तो यह जान ले, कि... जो बातें मै तुम्हें लिखता हूं, वे प्रभु की आज्ञाएं हैं।*

परन्तु यदि वो *न जाने, तो न जाने।*

220 हम इस बात के विषय में क्या करने जा रहे है? हर एक प्रमाण... मैं आपके स्थान पर होता, और मेरा बपतिस्मा मसीही बपतिस्में के अनुसार नहीं हुआ होता था, इस बात की परवाह न करते हुए कि मेरी कलीसिया क्या सोचती है, या मेरी माँ क्या सोचती है, मैं उस बात को जानना चाहता हूं मेरे प्रभु ने क्या आज्ञा दी है।

221 प्रभु यीशु, वे अब आपके हैं। और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हर एक हृदय पर कार्य करेंगे। और यह लोग जो कि इस तालाब में बपतिस्मा लेने पर हैं, पवित्र आत्मा का, जब वे आप पर रुके हुए हैं। यीशु के नाम में हम इस भीड़ को आपके लिए समर्पित करते हैं, कि उस दिन पर, प्रभु होने पाए कि उस मैं दोषी न ठहराया जाऊं, लेकिन सब मनुष्यों के लहू से आजाद रहूं; ना ही किसी रीति–रिवाज, या किसी संप्रदाय, या संस्था के साथ खड़े होते हुए, लेकिन आपके वचन के साथ खड़े होते हुए। आमीन।

उसकी आवाज़ सुनो HIN58-1005M

(Hear His Voice)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, अक्टूबर 5, 1958, को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविल, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org